सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 25 फरवरी, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 140, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जीआईएस-2025 का शुभारंभ प्रदेशवासियों के लिये गौरवशाली क्षण

डॉ. मोहन यादव
(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

मध्यप्रदेश की राजधानी और झीलों की नगरी भोपाल में सोमवार को नया इतिहास रचा गया है। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि 8वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के इस ऐतिहासिक समागम का शुभारंभ हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद के साथ हुआ है। ये दो दिन मध्यप्रदेश की प्रगति और विकास के नये आयाम स्थापित करेंगे। इस वर्ष की थीम है 'अनंत संभावनाएँ', जो मध्यप्रदेश में उद्योग और निवेश की असीमित संभावनाओं को दर्शाती है। इन्वेस्टर्स समिट के रूप में निवेश मनीषियों का यह समागम अनंत संभावनाओं के साथ विकास का नया इतिहास लिखने जा रहा है। हमारे लिये सौभाग्य की बात है कि राजा भोज की नगरी भोपाल अपने गौरवशाली अतीत के साथ भविष्य की स्वप्निल उड़ान के लिये तैयार है।

हमें अति प्रसन्नता है कि दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र के सबसे बड़े नायक, यशस्वी प्रधानमंत्री स्वयं इस समिट के साक्षी बने और उन्होंने मध्यप्रदेश को स्वर्णिम विकास का आशीर्वाद दिया। समिट में अनेक देशों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक बंधु, मध्यप्रदेश के प्रवासी मित्र आदि शामिल हुए हैं। मैं इस समिट में पधारे सभी निवेशकों का अपने ह्दय की गहराइयों से मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से स्वागत करता हूं।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। आज पूरी दुनिया में भारत और भारतवासियों का सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक भारत आर्थिक और सामरिक रूप से विश्व में सर्वश्रेष्ठ शक्ति बने। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प के अनुरूप ही मध्यप्रदेश ने विकास की रूपरेखा तैयार की है। विकास का यह स्वरूप विरासत के साथ वैश्विक भी है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम एक वर्ष पहले निवेश और औद्योगिक विकास की यात्रा पर निकले। मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। यह जल, वन,खनिज,पुरा और कृषि संपदा से समृद्ध है। विविधता से संपन्न प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है, मेधा है और आवश्यकता है। इसी को केन्द्र में रखकर हमने पहली बार सबसे पहले रीजनल इन्वेस्टर्स समिट का नवाचार किया। इसमें प्रदेश के हर क्षेत्र का कौशल और उद्यम शामिल हुआ। हमने व्यापार में सरलता और निवेशकों के साथ सीधे संवाद को प्राथमिकता दी। मार्च 2024 में उज्जैन से शुरू हुई इस निवेश यात्रा में जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, मुंबई, कोयंबटूर, बेंगलुरु, कोलकाता, पुणे, दिल्ली, यूके, जर्मनी और जापान आदि शामिल हैं। इन विभिन्न सम्मेलनों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रोड-शोज के माध्यम से मध्यप्रदेश ने 4.8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। इन निवेश प्रस्तावों ने लगभग 2 लाख नए रोज़गार के अवसर सृजित किए हैं, जो प्रदेश के प्रति निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

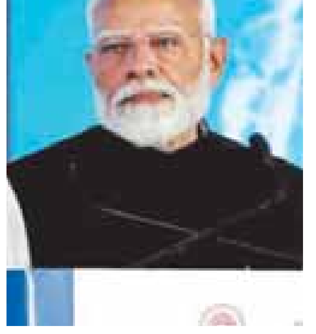

हमने वर्ष-2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया और लक्ष्य निर्धारित किया। इसी दिशा में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कदम उठाये। निवेश को सरल,सहज और व्यवहारिक बनाने के लिए विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों के लिए विशेष नीतियां बनाई गईं। निवेश, उद्योग, ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नवाचार, अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 19 नई नीतियां लेकर आए हैं। इन नीतियों से ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल एवं गारमेंट, कृषि, दवा उत्पादन, आईटी, डाटा सेंटर एवं जी.सी.सी, एनिमेशन एवं गेमिंग, ड्रोन एवं सेमी-कंडक्टर, खनिज, पेट्रोलियम, पर्यटन, शिक्षा तथा चिकित्सा के क्षेत्र में निवेश कर अच्छा वित्तीय लाभ प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश को देश का टेक्सटाइल कैपिटल और मैन्युफैक्चरिंग का फेवरिट डेस्टिनेशन कहा है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। साथ ही हमें टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी का 'ट्रिपल-टी' मंत्र दिया है, हम उस मंत्र का अनुसरण करेंगे।

हम भाग्यशाली है कि माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से मध्यप्रदेश को लगातार महत्वपूर्ण सौगातें मिल रही हैं। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने तेजी से विकास करते हुए अन्य प्रदेशों से चार गुना से अधिक प्रगति की है। केन्द्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार, डबल डिजिट की विकास दर के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। उद्योगों के विकास और विस्तार के लिए भूमि, जल, बिजली और कुशल कार्यबल आवश्यक है। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि हमारे प्रदेश में सरप्लस बिजली है, पर्याप्त पानी है, विशाल लैंड बैंक है और स्किल्ड मेन पॉवर है। कुशल कार्यबल निर्मित करने के लिए हमने ग्लोबल स्किल पार्क की स्थापना की, जिसमें कौशल संवर्धन के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

प्रदेश में विकास, निर्माण और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ईज ऑफ डूइंग व्यवस्था की गई, देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी लागू कर समय पर सेवाएं प्रदान करने का क्रम निर्मित किया। किसानों के लिए लाभकारी लैंड-पूलिंग योजना लागू की और कृषि उपज व्यवस्था कोसीधे उद्योग जगत से जोड़ा। मध्यप्रदेश की जीवन रेखा माँ नर्मदा से यहां जल संपदा की प्रचुरता है। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश को केन-बेतवा और पार्वती-काली सिंध-चंबल रिवर लिंक परियोजना की सौगात मिली है।

ऊर्जा संपन्न मध्यप्रदेश ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में कई नवाचार किए। रीवा सोलर प्लांट से दिल्ली मेट्रो को बिजली की आपूर्ति हो रही है। वर्ष 2030 तक प्रधानमंत्री जी द्वारा नवकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन उत्पादन का जो लक्ष्य रखा है उसमें मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश को देश का मुख्य इंडस्ट्रियल हब बनाने के लिए देशभर के एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अधोसंरचना विकास के अंतर्गत मेगा फुटवेयर क्लस्टर (मुरैना), नवकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण (मोहासा-बाबई) और पीएम मित्रा पार्क (धार) सहित कई बड़े प्रोजेक्ट प्रगति पर हैं। विक्रम उद्योगपुरी (उज्जैन) में मेडिकल डिवाइसेज पार्क और 06 नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास हो रहा है। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि आगामी वर्ष में 13 औद्योगिक पार्क पूर्ण होंगे और 20 नए औद्योगिक पार्कों का कार्य प्रारंभ किया जाएगा, जिससे प्रदेश में निवेश और रोज़गार के नए अवसर सृजित होंगे।

हमारा प्रदेश सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। इस समिट में दुनिया भर से पधारे औद्योगिक प्रतिनिधि और निवेशक प्रदेश के पर्यटन और सांस्कृतिक वैभव से परिचित होंगे। हमने विरासत से विकास का संकल्प लिया है। भारत का वैभवशाली और समृद्ध इतिहास है। अपनी वैभवशाली विरासत के साथ इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, डिफेंस टेक्नोलॉजी तथा अन्य प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों में निवेश को केन्द्रित किया गया है। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है आजादी के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को 35 ट्रिलियन डॉलर की पूर्ण विकसित अर्थव्यवस्था बनाना और विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना है। विकसित भारत निर्माण के इस संकल्प में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलू शामिल हैं। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प की पूर्ति में मध्यप्रदेश सहभागी बनने के लिये प्रतिबद्ध है। यह समिट प्रधानमंत्री जी के सकंल्प,प्रदेश के विकास और जनता के विश्वास को पूरा करेगी।

इस समिट में क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग जगत शामिल हो रहा है। यह पहला अवसर है जब ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में गांव से लेकर ग्लोबल का समागम हो रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह समिट मध्यप्रदेश की आधारभूत प्रगति और समृद्धि की नई इबारत लिखेगी। विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के साथ विकसित भारत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

ओढ़ाता हूँ बिटिया
तुझे मैं एक लाल रूमाल
जानता हूँ
तेरी राह के कंकड़ों पर
बिछा न पाऊंगा
कभी लाल मुरम...
नन्ही लाल मछलियों से
मचलते तेरे सपनों को
उम्मीद के छिछले पानी
में सहेज न पाऊंगा
खाली है बिटिया मेरा झोला
रात गहराते बहुत लाल होगा
जो भूख का सवाल
जवाब दे न पाऊंगा
टेकरी के लाल हनुमान से
पूछा था मैंने
क्यों नही है तुम्हारी दुनिया
लाल गेंद सी
लाल गुड़िया सी
लाल मिठाई सी
तो जाने कहाँ ताकते रहे...
बोले कुछ नहीं
शायद हुए थोड़े और लाल
बिटिया..
तुझे खुद ही बनानी होगी
तेरी दुनिया
तोते की लाल चोंच सी तेज...
तेरी हँसी से जरुर लाल होगा
सुबह का सूरज
तुझे ओढ़ाता हूँ मैं
एक लाल रूमाल।।

– विवेक चतुर्वेदी

एमपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : पीएम मोदी ने किया शुभारंभ, कहा -

मप्र में निवेश का यही समय है और सही समय है

● देश की ईवी क्रांति का लीडिंग स्टेट बना एमपी ● विश्व जो विश्वास भारत पर कर रहा है, भारत को वही विश्वास मध्यप्रदेश पर है ● म.प्र. मैन्युफैक्चरिंग के नये सेक्टर्स के लिये शानदार डेस्टिनेशन ● अपनी क्षमता से देश के शीर्ष पाँच राज्यों में शामिल होगा मध्यप्रदेश ● पीएम मोदी ने की मध्यप्रदेश की 18 उद्योग फ्रैन्डली नीतियां लॉन्च ● मन मोह लेता है भोपाल का रानी कमलापति रेलवे स्टेशन ● मध्यप्रदेश अगले पाँच वर्ष में राज्य की अर्थव्यवस्था को करेगा दोगुना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ● प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाने के निर्णय के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सराहा

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित मध्यप्रदेश से विकसित भारत के उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई दी। प्रधामनंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए आशान्वित है।

भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता को सिद्ध किया है, जिसके परिणाम स्वरूप सम्पूर्ण विश्व भारत पर विश्वास प्रकट कर रहा है। प्रधामनंत्री श्री मोदी ने कहा कि यही विश्वास हम मध्यप्रदेश में अनुभव कर रहे हैं। मध्यप्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का पांचवां बड़ा राज्य है, कृषि और खनन में अग्रणी है, इसके साथ ही राज्य को माँ नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। देश में हो रहे अधोसंरचना विकास का लाभ मध्यप्रदेश को मिला है, दिल्ली, मुम्बई नेशनल हाईवे का बड़ा भाग मध्यप्रदेश से निकलता है, प्रदेश में पाँच लाख किलोमीटर का रोड नेटवर्क है और लॉजिस्टिक्स की यहाँ अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। मध्यप्रदेश में हर वो क्षमता है, जो इसे देश के शीर्ष पाँच राज्यों में ला सकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने के लिए बधाई दी।

औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के लिए 18 नई नीतियां लॉन्च : प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रिमोर्ट का बटन दबाकर प्रदेश में औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के लिए लागू 18 नवीन नीतियों का शुभारंभ किया।

देश का कॉटन कैपिटल है मध्यप्रदेश: प्रधानमंत्री श्री मोदी ने समिट में पधारे उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यहां 300 से अधिक इंडस्ट्री जोन हैं और निवेश की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश में 31 हजार मेगावॉट सरपल्स एनर्जी है, जिसमें 30 फीसदी रिन्यूएबल एनर्जी है। कुछ दिन पहले ही ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना का शुभारंभ हुआ है।

पीएम के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने प्रदेशवासी प्रतिबद्ध : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सतत विकास और औद्योगिक निवेश की दिशा में नए कदम बढ़ाऐ जा रहे है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की थीम 'अनंत संभावनाएँ है, जो प्रदेश में उद्योग और निवेश की असीमित संभावनाओं को दर्शाती है। 'अनंत संभावनाएँ' केवल एक विचार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में अवसरों की व्यापकता को दर्शाने वाला दृष्टिकोण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास' का मंत्र दिया, जिसमें यह संदेश समाहित है कि जब संभावनाओं के अनंत आकाश में हम साथ मिलकर आशा की ज्योत जलाते हैं, तो एक नहीं, बल्कि सभी के आंगन रोशन होते हैं और यही हमारी सनातन संस्कृति है।

पीएम मोदी का मोटापे के खिलाफ कैंपेन

10 प्रमुख हस्तियों को नॉमिनेट किया, इनमें आनंद महिंद्रा और उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मोटापे के खिलाफ कैंपेन शुरू किया। उन्होंने इसके लिए अलग-अलग क्षेत्रों के 10 प्रमुख हस्तियों को नॉमिनेट किया। इनमें जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा और मनू भाकर जैसी हस्तियों का नाम है।कैंपेन के जरिए नॉमिनेट किए गए लोग मोटापे के खिलाफ लोगों को अवेयर करने का काम करेंगे। इसके लिए वो भी 10-10 लोगों को नॉमिनेट कर सकेंगे, ताकि कैंपेन धीरे-धीरे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री ने 23 फरवरी को मन की बात में मोटापे के खिलाफ कैंपेन शुरू करने की बात कही थी।

पीएम मोदी ने कहा जैसा कि कल की मन की बात में कहा था, मैं मोटापे के जागरूकता फैलाने के लिए निम्नलिखित लोगों को नॉमिनेट करना चाहता हूँ। मैं उनसे यह भी रिक्वेस्ट करता हूँ कि वे प्रत्येक 10 लोगों को नॉमिनेट करें ताकि हमारा आंदोलन और बड़ा हो। हाल ही में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोटापे के खिलाफ चलाए गए अभियान में खुद को नॉमिनेट किए जाने को लेकर खुशी जताई।

बिहार में पीएम मोदी बोले-

जंगलराज वाले महाकुंभ को गाली दे रहे

भागलपुर में कहा- जो लोग पशुओं का चारा खा सकते हैं, वह परिस्थितियां नहीं बदल सकते

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की

भागलपुर (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के भागलपुर में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ये जो जंगलराज वाले हैं, इनको हमारी धरोहर, आस्था से नफरत है। हमारे देश में आस्था का महाकुंभ चल रहा है। पूरे यूरोप की जितनी आबादी है, उससे भी ज्यादा लोग कुंभ में डुबकी लगा चुके हैं, लेकिन ये जंगलराज वाले महाकुंभ को गाली दे रहे हैं। राम मंदिर से चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को भी कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। जनता इन्हें माफ नहीं करेगी। मोदी ने आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव को को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि- जिन्होंने पशुओं का चारा खाया वे परिस्थितियों को बदल नहीं सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की। पीएम ने अंगिका (बिहार की बोली) में लोगों को प्रणाम किया। नीतीश कुमार को लाडला मुख्यमंत्री बताया।

6 बार जंगलराज, 3 बार कांग्रेस का जिक्र- मोदी ने अपने भाषण में 6 बार जंगलराज और 3 बार कांग्रेस का जिक्र कर घेरा। कहा- पहले छोटे किसानों का हक बिचौलिये हड़प लेते थे, लेकिन ये मोदी है, नीतीश जी हैं, जो किसानों का हक किसी को नहीं खाने देंगे। कांग्रेस वाले और जंगलराज वाले सरकार में थे तो इन लोगों ने खेती का कुल जितना बजट रखा था?

विकसित भारत के 4 मजबूत स्तंभ- गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी- पीएम ने कहा- मैंने लालकिले से कहा है, विकसित भारत के 4 मजबूत स्तंभ हैं- गरीब, अन्नदाता किसान, हमारे युवा और हमारे देश की नारी।

नीतीश बोले- अब इधर-उधर नहीं होगा-सभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 के पहले शाम के बाद कोई घर से बाहर नहीं निकलता था। ये लोग मुस्लिम का वोट लेकर भी हिंदू- मुस्लिम के बीच झगड़े करवाते थे। अब इधर-उधर कुछ नहीं, पूरे देश में मोदी जी के नेतृत्व में काम होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी को पीएम-किसान योजना की 19वीं किस्त जारी की।

संभल जामा मस्जिद सरकारी जमीन पर बनी: यूपी सरकार

सुप्रीम कोर्ट से कहा- मुस्लिम पक्ष ने गलत फोटो से गुमराह किया

लखनऊ/नईदिल्ली (एजेंसी)। यूपी सरकार ने संभल में शाही जामा मस्जिद और उसके पास मौजूद कुएं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी है। सरकार ने मस्जिद इंतेजामिया कमेटी के उस दावे को खारिज किया है, जिसमें कुएं को मस्जिद की प्रॉपर्टी बताया गया था।

यूपी सरकार ने कहा- संभल की शाही जामा मस्जिद भी सरकारी जमीन पर बनाई गई है। मस्जिद के पास मौजूद कुआं भी सरकारी जमीन पर है। खुद मस्जिद कमेटी ने गलत फोटो पेश करके अदालत को गुमराह करने की कोशिश की है।

19 कुओं को प्रशासन फिर से कर रहा जीवित- रिपोर्ट में सरकार ने कहा, लंबे वक्त से इए कुएं का इस्तेमाल सभी समुदाय के लोग करते रहे हैं। हालांकि इस समय कुएं में पानी नहीं है। 1978 में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद इस कुएं के हिस्से पर पुलिस चौकी बना दी गई थी।कुएं का दूसरा हिस्सा 1978 के बाद भी इस्तेमाल होता रहा। 2012 के आसपास इस कुएं को ढंक दिया गया। मस्जिद कमेटी प्रयास कर रही है कि सार्वजनिक कुएं पर उसका अधिकार हो जाए।यह कुआं उन 19 कुओं में शामिल है, जिनका संभल जिला प्रशासन पुनरुद्धार करने में जुटा है।

मस्जिद कमेटी संभल के विकास को रोक रही

यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, प्रशासन को कठघरे में खड़ा करना और सवाल उठाना गलत है। मस्जिद कमेटी इलाके के विकास को रोकने की कोशिश कर रही है। इस तरह के सरकारी कुओं को सार्वजनिक इस्तेमाल से रोकना ठीक नहीं होगा। ऐतिहासिक रूप से ये क्षेत्र काफी अहमियत रखती है। मस्जिद समिति कोर्ट में याचिका लगाकर पुनरुद्धार की प्रक्रिया को रोकना चाहती है। उसका यह प्रयास संभल के विकास और पर्यावरण के लिए भी खतरा है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c

न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार,25 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

हिमाचल में 4 दिन बारिश-बर्फबारी

4 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी, चलेगी आंधी, शीतलहर की चेतावनी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में आज से पांच दिन तक बारिश बर्फबारी के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसका असर अगले तीन-चार दिन तक नजर आएगा। इस दौरान कुछेक क्षेत्रों में भारी बारिश और बर्फबारी के आसार है। कांगड़ा, चंबा, मंडी और कुल्लू के अधिक ऊंचे क्षेत्रों में एक दो स्पेल हैवी में स्नोफॉल हो

सकता है। लोअर हिमाचल ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर के कई इलाकों में आंधी तूफान भी चल सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, जनवरी और फरवरी माह में अब तक जितने भी वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हुए है, उनमें से ज्यादातर तेजी से प्रदेश में एंटर हुए और कम बारिश के बाद कमजोर पड़े।

आतिशी बोलीं-

सीएम दफ्तर से भगत सिंह-अंबेडकर की तस्वीरें हटाईं, हंगामा, भाजपा ने नकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के सत्र के दौरान सोमवार को विपक्ष (आप) ने हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने आरोप लगाया कि दिल्ली में भाजपा के सत्ता में आते ही सीएम ऑफिस से बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटाई गई हैं। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा की मानसिकता

सिख और दलित विरोधी है। उन्होंने कहा- अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के हर दफ्तर में बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें लगाई थीं। आतिशी के आरोप लगाने के करीब 2 घंटे बाद दिल्ली बीजेपी ने सीएम रेखा गुप्ता के दफ्तर की नई तस्वीर जारी कर कहा आरोप झूठा है।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष को इंडिगो फ्लाइट में टूटी सीट मिली

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इंडिगो एयरलाइंस की सर्विस पर सवाल उठाए हैं। चंडीगढ़ से दिल्ली की यात्रा में जाखड़ की सीट के कुशन ढीले मिले। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टूटी सीटों की तस्वीरें शेयर कर जाखड़ ने कहा, जब उन्होंने इसे लेकर क्रू मेंबर्स से बात की तो उन्होंने कंपनी की वेबसाइट पर जाकर शिकायत करने को कहा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को देखना चाहिए कि प्रमुख एयरलाइंस का

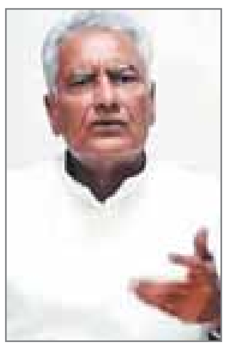

यह 'चलता है' वाला रवैया सुरक्षा मानदंडों तक न बढ़े। इससे पहले, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एअर इंडिया की सुविधाओं पर सवाल उठाए थे। शिवराज को फ्लाइट में टूटी सीट पर बैठकर यात्रा करनी पड़ी थी।

चीन में मिला बैट वायरस

● यह कोविड-19 की तरह अटैक करता है, क्या दुनिया में फिर से फैल सकती है महामारी?

नईदिल्ली (एजेंसी)। चीनी वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन का पता लगाया है। यह चमगादड़ों से इंसानों में फैल सकता है। इस नए स्ट्रेन का नाम है, एचकेयू-5-सीओवी -2। कोरोना वायरस के कुछ ही स्ट्रेन इंसानों को संक्रमित कर सकते हैं। इनमें से एक एचकेयू-5 है। यह जानकारी साइंटिफिक जर्नल 'सीईएलएल' में पब्लिश एक स्टडी में सामने आई है। इस वायरस के संक्रमण का तरीका कोविड-19 जैसा ही है। इसलिए लोग डर रहे हैं कि कहीं ये भी दुनिया में नई महामारी की वजह न बन जाए। इसलिए वैज्ञानिक कह रहे हैं कि हमें सतर्क रहना होगा और कोरोना के प्रकोप के लिए तैयार रहना होगा।

भारत चीन का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही भी खूब होती है। कोविड-19 के प्रकोप के दौरान भी भारत को इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा था। अब यही डर नए स्ट्रेन एचकेयू-5 को लेकर भी है। एचकेयू-5-सीओवी -2 कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन है।

ट्रम्प ने SAID के 1600 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे विदेश में मदद मुहैया कराने वाली एजेंसी SAID के 1600 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रहे हैं। इसके अलावा बाकी कर्मचारियों को पेड लीव पर भेजा रहा है। यानी वे काम पर

नहीं आएंगे लेकिन उन्हें सैलरी मिलती रहेगी। यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट में सिर्फ कुछ लीडर्स और दुनियाभर में मौजूद बेहद जरूरी स्टाफ को ही रखा जाएगा। ये वही संस्था है जिसने भारत में चुनाव के दौरान वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए 182 करोड़ रुपए की फंडिंग दी थी। इसे लेकर ट्रम्प बीते एक हफ्ते में पांच बार सवाल उठा चुके हैं।

पोप की हालत गंभीर, किडनी फेल होने के लक्षण

● ऑक्सीजन दी जा रही, प्लेटलेट्स भी घटीं; दुनियाभर में प्रार्थनाओं का दौर जारी

रोम (एजेंसी)। पोप फ्रांसिस की हालत गंभीर बनी हुई है। कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन के मुताबिक पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे हैं। साथ ही प्लेटलेट्स की कमी का भी पता चला है। वेटिकन प्रेस ऑफिस ने कहा कि पोप को शनिवार रात से अस्थमा का कोई अटैक नहीं आया है, लेकिन अभी भी ऑक्सीजन का हाई फ्लो दिया जा रहा है।दुनियाभर में पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार के लिए प्रार्थना जारी है। पोप ने X पर पोस्ट करके प्रार्थनाओं के लिए उनको धन्यवाद किया। कैथलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस (88 साल) फेफड़ों में इन्फेक्शन के कारण 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा है। डॉक्टरों ने 21 फरवरी को उन्हें खतरे से बाहर बताया था और कहा था कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है।

फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी एमसीयू में लेंगे मास्टर क्लास

भोपाल। प्रख्यात फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी मंगलवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में मीडिया के विद्यार्थियों की मास्टर क्लास लेंगे। त्रिपाठी ÷द एक्सपर्ट शॉट्स÷ विषय पर अपनी बात रखेंगे, वहीं विद्यार्थियों को छोटे से गांव से मुंबई तक अपने संघर्ष से सफलता की कहानी भी बताएंगे। कई फिल्मों में अपने शानदार अभिनय का जलवा बिखेर चुके श्री त्रिपाठी विद्यार्थियों के प्रश्नों के जवाब भी देंगे और उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत करेंगे। माखनपुरम बिशनखेड़ी परिसर के गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित मास्टर क्लास में अभिनेता विजय विक्रम सिंह संवाद संचालक होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी विशेष रुप से उपस्थित रहेंगे।

रक्षामंत्री राजनाथ बोले-

70 प्रतिशत रक्षा सामग्री खुद बना रहा भारत

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी आईआईटी में सोमवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब 70 प्रतिशत रक्षा सामग्री का निर्माण खुद कर रहा है। पहले 70 प्रतिशत सामग्री आयात करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा, भारत ने अब रक्षा सामग्री का निर्यात शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 में 23 हजार करोड़ रुपए की रक्षा सामग्री का निर्यात की है। 2029 तक इसे बढ़ाकर 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। राजनाथ ने कहा, आईआईटी मंडी पहले से ही डीआरडीओ के साथ मिलकर रक्षा क्षेत्र में काम कर रहा है। उन्होंने इस संस्थान के छात्रों से एआई तकनीक का उपयोग कर रक्षा क्षेत्र में नए अनुसंधान करने का आग्रह किया। उन्होंने आईआईटी की एक नई परिभाषा भी दी- इनिशिएट, इम्प्रूव और ट्रांस्फॉर्म।

भारत की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने को भारत अग्रसर - राजनाथ सिंह ने भारत की आर्थिक प्रगति का जिक्र करते हुए कहा, भारत वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने छात्रों से कभी भी छोटे मन से कोई काम न करने की अपील की।

महाकुंभ में बॉलीवुड स्टार का जमावड़ा, कैटरीना ने संतों का आशीर्वाद लिया

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में बॉलीवुड और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिला। फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार अक्षय कुमार ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने भी स्वामी चिदानंद सरस्वती के आश्रम में पहुंचकर सनातन संस्कृति के पावन पर्व की सुखद अनुभूति प्राप्त की। संगम में स्नान करने के बाद बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने कहा- मैंने खूब आनंद लिया। इस बार की व्यवस्था अच्छी है, बहुत शानदार है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इतनी बेहतरीन व्यवस्था करवाई। 2019 के कुंभ में लोगों को काफी दिक्कतें होती थीं, लेकिन इस बार सब कुछ बहुत सुव्यवस्थित है।

महाकुंभ के 43वें दिन भी भीड़ का सैलाब

● अक्षय कुमार-कैटरीना कैफ ने डुबकी लगाई

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ का सोमवार को 43वां दिन था मेला खत्म होने में 2 दिन और बचे हैं। आज शाम 4 बजे तक 1.05 लाख से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। संगम स्टेशन से लेकर संगम तक भीड़ ज्यादा थी। दोपहर तक भीड़ कम होना शुरू हो गई। 13 जनवरी से अब तक 62.97 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने संगम स्नान किया। एक्ट्रेस कैटरीना कैफ भी महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने परमार्थ निकेतन शिविर में स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती का आशीर्वाद लिया। इस बीच आज प्रयागराज में एंट्री पॉइंट पर पार्किंग के आसपास जाम की स्थिति है। शहर के अंदर चौराहों पर भी बीच-बीच में जाम लग रहा है। प्रयागराज पहुंचने वाली गाड़ियों को संगम से 10 किमी पहले पार्किंग में रोका जा रहा है। उसके बाद मेला क्षेत्र तक ऑटो, ई-रिक्शा या शटल बसों से जा सकते हैं।

तेलंगाना टनल हादसा अंदर 11 किमी पानी भरा

● सिलक्यारा ऑपरेशन टीम भी 8 लोगों के रेस्क्यू में जुटी; मंत्री बोले- हर संभव प्रयास जारी है

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह गया। इसमें 8 कर्मचारी फंस गए। इन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन सोमवार को तीसरे दिन भी जारी है।

रेस्क्यू ऑपरेशन में आर्मी, एनडीआरएफ, एसीआरएफ के अलावा राज्य सरकार की अन्य एजेंसी भी जुटी हुई हैं। उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल में फंसे लोगों को निकालने वाली टीम को भी इसमें शामिल किया गया है। 2023 में सिलक्यारा टनल का एक हिस्सा गिर गया था। 17 दिन बाद 41 लोगों को सुरक्षित निकाला गया था। तेलंगाना सरकार के मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि हादसा सुरंग के मुहाने से करीब 13 किलोमीटर दूर हुआ है। रेस्क्यू टीम फंसे हुए लोगों से 100 मीटर दूर है, लेकिन पानी और कीचड़ की वजह से ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। मजदूरों के बचने की संभावना कम है।

भारत की चेतावनी के बाद बांग्लादेश सेना प्रमुख का बड़ा ऐलान

बांग्लादेशी सेना ने अपने हाथ में ली कानून व्यवस्था

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वकार उज जमां ने कहा है कि देश की कानून-व्यवस्था का ध्यान सेना रखेगी। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना काम कर रही है और बांग्लादेश को एक चुनी हुई सरकार मिलने तक इस भूमिका में बनी रहेगी। जमां ने सोमवार को सावर कैंटोनमेंट में एक फायरिंग प्रतियोगिता के कार्यक्रम में बोलते हुए ये बात कही। जमां का ये बयान ऐसे समय आया है, जब बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार कई मुद्दों पर घिरी हुई है। इसमें कानून व्यवस्था भी एक मुद्दा है। भारत की ओर से भी बांग्लादेश की स्थिति को लेकर कई बार चिंता जाहिर की जा चुकी है। इसमें बांग्लादेश की कानून व्यवस्था के साथ ही द्विपक्षीय रिश्ते भी हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को ही बांग्लादेश को चेताते हुए कहा है कि अगर ढाका की चाहत दिल्ली के साथ अच्छा रिश्ता रखने की है तो इस पर अमल भी करे। भारत को बार-बार हर बात के लिए दोष देने से चीजें ठीक नहीं होंगी। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ बर्ताव पर भी ढाका को कई दफा चेताया है।

जर्मनी में आम चुनाव

चांसलर शोल्ज हारे

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज आम चुनाव हार गए हैं। उनकी सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी (एसडीपी) 630 सीटों में से सिर्फ 121 सीटें ही जीत पाई है। उसे सिर्फ 16.5 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। चांसलर शोल्ज ने हार स्वीकार कर ली है।

म.प्र.जबलपुर में दो हादसों में 8 कुंभ यात्रियों की मौत

दूसरे हादसे में कार ट्रक में घुसी

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर में दो घंटे में दो बड़े हादसे हो गए। इन हादसों में 8 लोगों की मौत हो गई। तीन लोग घायल हैं। सभी लोग प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे थे। हादसा संजीवनी नगर में देर रात 2 बजे हुआ। तेज रफ्तार कार ट्रक में घुस गई। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, एक महिला गंभीर घायल है।

युवक की परिवार से बात करते हार्टअटैक से मौत

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। परिवार ने पहले कर्ज लेकर बेटे को कमाने के लिए पुर्तगाल भेजा और अब दोबारा 20 से 22 लाख रुपए का कर्ज लेकर उसकी डेडबॉडी मंगानी पड़ी। कुरुक्षेत्र के पिहोवा के रहने वाले संटी मेहरा का शव सोमवार सुबह उसके घर पहुंचा।

संटी 8 साल से पुर्तगाल में रह रहा था। 21 जनवरी को परिवार से फोन पर बात करते हुए हार्टअटैक से उसकी मौत हो गई। 4 दिन बाद ही उसे भारत लौटना था। घर में संटी की शादी की बात चल रही थी। उसे घर आने के बाद लड़की देखने के लिए जाना था। घर में इकलौते कमाने वाले संटी की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

8 साल पहले पुर्तगाल गया था संटी- पिहोवा के टली फार्म के रहने वाले बंटी मेहरा ने बताया कि 2016 में उसका छोटा भाई संटी पुर्तगाल गया था। उसे पुर्तगाल की नागरिकता मिल चुकी थी। कुछ समय में उसे रेड पासपोर्ट मिलने वाला था। पुर्तगाल जाने के बाद संटी एक बार भी घर नहीं आया। 24 जनवरी को उसका भारत लौटने का प्लान था। 21 जनवरी को वह परिवार के लोगों के लिए शॉपिंग करने ऑस्ट्रिया गया था।

परिवार से बात करते हुए चीख निकली- भाई बंटी ने बताया कि संटी फोन पर मां सोमा देवी, भाभी हर्षदीप कौर और भतीजी रहमतप्रीत कौर से बात कर रहा था। बात करते-करते अचानक संटी के हाथ और पैर सुन्न हो गए। उसकी चीख निकली और फोन में आवाज आनी बंद हो गई।परिवार के लोगों ने उसके दोस्तों को घटना के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने करीब 23 बार लगातार संटी को कॉल की, लेकिन किसी ने कॉल नहीं उठाई।

कोलकाता में 3 लाश मिलीं, नसें कटीं, गर्दन पर घाव

पुलिस बोली- पतियों ने खबर दी, हमें इन्हीं पर शक; बचने के लिए अपना एक्सीडेंट करवाया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में 19 फरवरी को एक ही परिवार की 14 साल की लड़की और दो महिलाओं की लाश मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इनकी हत्या की साजिश की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों महिलाओं की नसें कटी हुई थीं और गर्दन पर घाव के गहरे निशान थे। नाबालिग की मौत जहर खाने से हुई थी। कोलकाता में 3 लाश मिली, नसें कटीं, गर्दन पर घाव

● **पुलिस बोली- पतियों ने खबर दी, हमें इन्हीं पर शक; बचने के लिए अपना एक्सीडेंट करवाया-** कोलकाता में 19 फरवरी को एक ही परिवार की 14 साल की लड़की और दो महिलाओं की लाश मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इनकी हत्या की साजिश की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों महिलाओं की नसें कटी हुई थीं और गर्दन पर घाव के गहरे निशान थे। नाबालिग की मौत जहर खाने से हुई थी। पुलिस को शक है कि दोनों भाइयों ने ही अपनी पत्नियों का मर्डर किया है। एक्सीडेंट से पहले इन्ही लोगों ने महिलाओं की मौत की जानकारी पुलिस को दी थी।

पटना में बालू लदा ट्रक ऑटो से टकराया, 7 की मौत

● ग्रामीण बोले- मां-बेटी अभी भी लापता हैं; टक्कर के बाद दोनों गाड़ियां नहर में गिरीं

पटना (एजेंसी)। पटना के मसौढ़ी में रविवार देर रात बालू लदे ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी। इस घटना में ऑटो सवार 7 लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बाद दोनों गाड़ियां छोटी नहर में गिर गईं। ट्रक ऊपर और ऑटो उसके नीचे था। एक्सीडेंट में ऑटो के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने जेसीबी से शव को बाहर निकाला। घटना मसौढी-नौबतपुर मार्ग पर धनीचक मोड़ पर की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 'हादसे के बाद से एक महिला और उसकी 2 साल की बच्ची अभी भी लापता हैं। जेसीबी की मदद से उन्हें ढूंढा जा रहा है।' इधर सोमवार सुबह आक्रोशित लोगों ने मसौढ़ी-नौबतपुर मार्ग को जाम कर दिया है।

इंदौर में कार सवार युवकों पर पथराव

चाकू और रॉड से किया हमला; तीन युवक घायल, एक की हालत नाजुक

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमआईजी इलाके में रविवार रात चार युवकों की कार पर बदमाशों ने पथराव कर दिया। इस दौरान एक युवक मौके से भाग निकला, जबकि तीन युवकों पर चाकू और लोहे की रॉड से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल तीनों को देर रात एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां रोहन की हालत नाजुक बनी हुई है। एमआईजी पुलिस के अनुसार, घायल रोहन (23) पुत्र बब्बू कौशल, दीपक (27) पुत्र मुकेश कौशल और प्रथम (24) पुत्र संदीप को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। दीपक ने बताया कि तीनों घर की छत पर बैठकर क्रिकेट मैच देखने के बाद खाना खा रहे थे, तभी दोस्त अंकित आया और बताया कि विशाल उर्फ छोटा उसे रंजिश के चलते धमका रहा है और नेहरू नगर बुला रहा है। तीनों युवक अंकित के साथ कार से वहां पहुंचे, जहां विशाल उर्फ छोटा, दीपक जाटव उर्फ भतीजा और उसके साथियों ने कार पर पथराव शुरू कर दिया। अंकित

जान बचाकर भाग निकला, जबकि बदमाशों ने कार के अंदर पत्थर फेंके और हमला कर दिया। विशाल ने चाकू से रोहन के पेट पर वार किया, जबकि लोहे की रॉड से दीपक और प्रथम पर हमला कर दिया, जिससे दोनों के सिर पर गंभीर चोटें आईं। हमले के दौरान शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि रोहन की हालत गंभीर है और मामले की जांच जारी है।

पेट्रोल पंप कर्मचारी और दोस्त पर चाकू से हमला

इंदौर के परदेशीपुरा इलाके में रंजिश के चलते बदमाशों ने पेट्रोल पंप कर्मचारी और उसके दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने आदेश हनुमंत की शिकायत पर बाबू, श्रवण गंगापारी और संजय के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आदेश पेट्रोल पंप कर्मचारी है और घटना के समय वह अपने दोस्त कपिल के साथ डबल मंजिला कॉम्प्लेक्स में बैठा था। तभी आरोपी बाइक से वहां पहुंचे और कपिल से विवाद करने लगे। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने कपिल को पकड़कर पहले हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इसके बाद बाबू ने चाकू निकालकर कपिल के सीने पर वार कर दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गया। जब आदेश उसे बचाने गया तो आरोपियों ने उसके हाथ पर भी चाकू मार दिया और फरार हो गए। घटना के बाद कपिल और आदेश को उनके रिश्तेदार अस्पताल ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी हैं।

इंदौर की बिजली मांग तोड़ेगी रिकॉर्ड

गर्मी में 760 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना; प्रशासन ने की तैयारी

इंदौर (नप्र)। गर्मी के दौरान इंदौर की बिजली खपत मध्यप्रदेश के अन्य शहरों की तुलना में सबसे अधिक होती है। इस साल अप्रैल-मई में बिजली की मांग 760 मेगावाट तक पहुंच सकती है, जो पिछले वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

बिजली खपत का कारण

गर्मियों में घरेलू उपयोग बढ़ जाता है – शहर में 20 लाख पंखे, 6 लाख फ्रीज, 3 लाख कूलर और 2 लाख एयर कंडीशनर बिजली की भारी खपत करते हैं। छुट्टियों के दौरान बिजली की खपत और बढ़ती है, क्योंकि बच्चे घर पर रहते हैं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का ज्यादा उपयोग होता है। औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां भी जारी रहती हैं, जिससे खपत बढ़ जाती है।

बिजली मांग बढ़ने का गणित

तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने पर हर 1 डिग्री बढ़ने पर 5 लाख यूनिट अतिरिक्त बिजली खपत होती है। अगर तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा, तो बिजली मांग 760 मेगावाट होगी। अगर 44 डिग्री या अधिक हुआ, तो

मांग 780 मेगावाट तक जा सकती है।

अन्य शहरों की गर्मियों में अधिकतम बिजली मांग (मेगावाट में)

भोपाल - 550, जबलपुर - 400, ग्वालियर - 320, उज्जैन - 240, रतलाम - 123, देवास - 120।

हाल ही में आरडीएसएस की समीक्षा बैठक में प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने अतिरिक्त ट्रांसफार्मर और मेंटनेंस कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बिजली आपूर्ति सुचारू बनी रहे और गर्मी में उपभोक्ताओं को समस्या न हो।

पुलिस से बचकर बाणगंगा पहुंचा तस्कर

कई थानों में है अपराध दर्ज; अवैध चाकू से कटवाया केक, वीडियो आया सामने

इंदौर (नप्र)। इंदौर पुलिस से बचने के लिए पंढरीनाथ इलाके का हिस्ट्रीशीटर बाणगंगा क्षेत्र में रहने पहुंच गया। यहां एक नाबालिग के जन्मदिन पर उसने अवैध चाकू से केक कटवाया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में वह बच्चे से केक कटवा रहा है। हालांकि, बाणगंगा पुलिस को इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। जानकारी के मुताबिक, बाणगंगा थाना क्षेत्र के रेवती रेंज में रहने वाला विक्की ठाकुर दो दिन पहले अपने रिश्तेदार के बेटे के जन्मदिन समारोह में शामिल हुआ था। इस दौरान उसने अवैध चाकू से केक कटवाने का आयोजन किया। बताया जा रहा है कि विक्की पहले पंढरीनाथ इलाके में रहता था, लेकिन पुलिस की नजरों से बचने के लिए उसने अपना ठिकाना बदल लिया।

ड्रग तस्करी के आरोप में हो चुका है गिरफ्तार– द्वारकापुरी पुलिस ने करीब दो साल पहले विक्की ठाकुर को 100 एमडी ड्रग पुड़िया के साथ गिरफ्तार किया था। जेल से छूटने के बाद वह दोबारा नशे के अवैध कारोबार में सक्रिय हो गया। विक्की के खिलाफ द्वारकापुरी, चंदननगर, छत्रीपुरा, रावजी बाजार और जूनी इंदौर थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें अधिकतर मामले ड्रग तस्करी से जुड़े हुए हैं। बाणगंगा क्षेत्र में विक्की ठाकुर की मौजूदगी और अवैध गतिविधियों में लिप्त होने की खबर से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल, वायरल वीडियो की पुष्टि के बाद पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर सकती है।

इंदौर में अन्नपूर्णा रोड पर दर्दनाक हादसा

दंपति को बचाने में डिवाइडर से टकराया बाइक सवार युवक, मौत

इंदौर (नप्र)। इंदौर के अन्नपूर्णा इलाके में डिवाइडर से टकराने के कारण एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि युवक ने अचानक सामने आए एक दंपती को बचाने के प्रयास में बाइक के ब्रेक लगाए, जिससे वह फिसलकर डिवाइडर से जा टकराया। गंभीर रूप से घायल युवक को एम्बुलेंस से एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, हादसा अन्नपूर्णा रोड पर हुआ। मरीमाता का बगीचा निवासी राहुल सोनाने (पुत्र मुकेश सोनाने) अपने दोस्त विकास के साथ बाइक से राजेंद्रनगर से महू नाका की ओर जा रहा था। इसी दौरान अचानक एक दंपती दोपहिया वाहन से सामने आ गया। राहुल ने उन्हें बचाने के लिए ब्रेक लगाए, जिससे बाइक फिसल गई और डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में राहुल के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि उसके दोस्त विकास को मामूली चोट लगी।झ राहुल पेशे से मैकेनिक था और एक गैराज में काम करता था। उसके परिवार में माता-पिता और दो भाई हैं। पुलिस के अनुसार, उसके पिता का भी कुछ समय पहले एक्सीडेंट हुआ था, जिससे उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और जांच शुरू कर दी है। विकास को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

इंदौर मंडी में फलों की बंपर आवक

इंदौर (नप्र)। इंदौर की देवी अहिल्याबाई फल एवं सब्जी मंडी में गर्मी के मौसम से पहले ही फलों की भरपूर आवक शुरू हो गई है। मंडी में रोजाना तरबूज की 80 से 100 टन, खरबूज की 15 से 20 टन और अनार की 4 से 5 टन आवक हो रही है। तरबूज की आवक महाराष्ट्र के धुलिया, सिरपुर, मालेगांव, जलगांव, औरंगाबाद और शिर्डी से हो रही है। फल व्यापारी मुनव्वर शेख के अनुसार बड़ी मात्रा में आवक के कारण तरबूज 6 से 12 रुपए प्रति किलो के भाव पर बिक रहा है। बड़ी मात्रा में आवक के कारण तरबूज 6 से 12 रुपए प्रति किलो के भाव पर बिक रहा है। खरबूज भी इन्हीं क्षेत्रों से आ रहा है। मंडी में इसकी कीमत 20 से 30 रुपए प्रति किलो है।

कोर्ट ने 10 साल पुराने केस में दिलाया क्लेम

बीमा कंपनी चुकाएगी 6.56 लाख रुपए, चलती मैजिक से कूदने पर हुई थी लड़की की मौत

इंदौर (नप्र)। इंदौर जिला कोर्ट ने 10 साल पुराने एक्सीडेंट के मामले में कुल 6.56 लाख रुपए का क्लेम मंजूर किया है। बजाज अलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मृतका के परिवार को 6.41 लाख रुपए और उसकी घायल सहेली को 15 हजार रुपए देने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि अगस्त 2015 में पीथमपुर में हुआ एक्सीडेंट दरअसल एक क्रिमिनल केस था। इसमें मैजिक ड्राइवर द्वारा छेड़छाड़ करने पर दो लड़कियां चलते वाहन से कूद गई थीं। इलाज के दौरान एक युवती की मौत हो गई थी और दूसरी घायल हो गई थी। मामले में पीथमपुर पुलिस ने मैजिक ड्राइवर के खिलाफ छेड़छाड़, अपहरण, पाक्सो सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया था। इसमें आरोपी ड्राइवर को कारावास भी हुआ। केस में पुलिस ने एक्सीडेंट की धारा नहीं लगाई थी। अब क्लेम केस में कोर्ट ने साक्ष्यों और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद इसे सड़क दुर्घटना का भी केस माना। इसमें ड्राइवर की गलती और इंश्योरेंस कंपनी को जवाबदेह मानते हुए क्लेम मंजूर किया।

क्या है पूरा मामला

घटना 30 अगस्त 2015 को पीथमपुर में हुई थी। 15 वर्षीय रश्मि अपनी सहेली सारिका (दोनों परिवर्तित नाम) के साथ मैजिक से घर जा रही थी। रास्ते में ड्राइवर पंकज पिता नानूराम निवासी बेटमा ने उन्हें बुरी नीयत से देखा। इसके साथ ही कुछ आपत्तिजनक बातें कही।झ ड्राइवर की बुरी नीयत

भांप दोनों चिल्लाने लगी और कूदने की कोशिश की। इस पर ड्राइवर ने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी। दोनों लड़कियां सड़क पर गिर गईं। ड्राइवर गाड़ी सहित भाग गया। दोनों का इंदौर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज हुआ। वहां से रश्मि को एमवाय हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां अगले दिन उसकी मौत हो गई। जांच के बाद पीथमपुर पुलिस ने धारा 363, 365, 408, 411, 308, 354 (क), 509, 511, 308, 304 और 7/8 पास्को एक्ट, ड्राइवर के पास लाइसेंस नहीं होने पर 3/181 और परमिट नहीं होने पर 39/192 के तहत केस दर्ज किया था।

पिता ने चार माह बाद लगाया 14 लाख रुपए का क्लेम केस

मृतका रश्मि के पिता ने 11 दिसंबर 2015 को एडवोकेट अरुण त्रिपाठी के माध्यम से एक्सीडेंट में बेटी की मौत को लेकर इंदौर जिला कोर्ट में क्लेम केस (धारा 166) लगाया। इसमें ड्राइवर पंकज, मैजिक मालिक किरण सकते निवासी इंदौर और बजाज अलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी से 13.78 लाख रुपए का क्लेम दिलवाने की अपील की।

गुजराती समाज इंदौर में संघवी पेनल का दबदबा

23 पदों के लिए निर्विरोध हुए चुनाव, 20 साल से कायम है वर्चस्व

इंदौर (नप्र)। श्री गुजराती समाज में एक बार फिर संघवी पेनल ने अपना वर्चस्व कायम रखा है। समाज के चार वर्षीय चुनाव में पेनल के सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। चुनाव अधिकारी मनोज

भाई पारिख के अनुसार, 23 फरवरी को हुई कार्यकारिणी सभा में 18 व्यवस्थापक समिति और 5 ट्रस्ट बोर्ड के सदस्यों के विरुद्ध कोई नामांकन नहीं आया। इस कारण सभी उम्मीदवारों को विजयी घोषित कर दिया गया। पेनल प्रमुख पंकज भाई संघवी ने बताया कि उनका पेनल वर्ष 2000 से गुजराती समाज में सक्रिय है। उन्होंने कहा कि संस्था के सदस्य समाज के लोगों के सुख-दुख में हमेशा साथ रहते हैं। यही कारण है कि कोई विरोध में खड़ा नहीं होता। व्यवस्थापक समिति में दीपक भाई मोदी, अमित भाई दवे, गोविंद भाई पटेल ,अतुल भाई सेठ, राजेंद्र भाई पटेल, नितेश भाई तुरखिया, निलेश भाई पटेल, भावनेश भाई पटेल, दीपक भाई आर सोनी, जयेंद्र भाई पटेल, कमलेश भाई शाह, पुनीत भाई चावड़ा, जिग्नेश भाई शाह, दिनेश भाई गोसलिया, प्रकाश भाई जाविया, मितेश भाई गणत्रा, राहुल भाई पटेल, सुदीप भाई पटेल समेत 18 सदस्य शामिल हैं।

टीएल बैठक में हुई विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

गेहूं खरीदी से लेकर सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों को लेकर दिए निर्देश

इंदौर (नप्र)। सोमवार को कलेक्टर ऑफिस में टीएल बैठक हुई। बैठक में जिले के सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने अलग-अलग मुद्दों पर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इसमें मुख्य रूप से गेहूं खरीदी और सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों को लेकर निर्देश दिए गए है। सोमवार को आयोजित हुई इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। बैठक को लेकर अपर कलेक्टर गौरव बेनल ने कहा की टीएल बैठक में शहर के वो प्रमुख मुद्दे होते हैं, जिन्हें समय सीमा में पूरा करना आवश्यक होता है। जहां पर विभागों के समन्वय की आवश्यकता है। जहां एक से ज्यादा विभाग शामिल हैं। उनके समन्वय के बिना काम नहीं हो सकता है। ऐसे कई मुद्दे टीएल बैठक में डिस्कस किए जाते हैं। इस कड़ी में सोमवार को टीएल बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिले के सभी विभागों के अधिकारी शामिल थे। इन अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर विस्तार से बातचीत की गई

है। इसमें एक विषय था गेहूं खरीदा का। 1 मार्च से गेहूं खरीदी होना है। इसे लेकर विस्तार से चर्चा की गई है। एजेंसी, खाद्य विभाग, वेयर हाउसिंग सहित अन्य सभी विभागों की सहभागिता इसमें रहेगी। इसके लिए एसडीएम स्तर की एक समिति भी गठित है। गेहूं खरीदी को लेकर हमारी तैयारी पूरी है।

सीएम हेल्प लाइन को लेकर दिए निर्देश– अपर कलेक्टर गौरव बेनल ने कहा कि सीएम हेल्प लाइन को लेकर हमे पता है कि यह शासन की और हमारी प्राथमिकता है। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें। कोई भी पुरानी सीएम हेल्प लाइन की शिकायत पेंडिंग नहीं होना चाहिए। ज्यादा से ज्यादा संतुष्टि के साथ सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

बारदान व्यापारी ने किया सुसाइड

दुकान से घर जाकर लगाई फांसी, पुलिस मामले की जांच में जुटी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के मल्हारगंज इलाके में रहने वाले बारदान व्यापारी दिलीप प्रजापति (44) ने रविवार रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, और आत्महत्या के कारणों की जांच जारी है। मल्हारगंज पुलिस के अनुसार, दिलीप प्रजापति का नालिया बाखल में बारदान का कारोबार था। रविवार शाम वे अपनी दुकान से घर लौटे और पूजा-पाठ करने के बाद ऊपर अपने कमरे में चले गए। काफी देर तक बाहर न आने पर उनके छोटे भाई ने आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जब ऊपर जाकर देखा तो दिलीप फंदे पर लटके हुए थे। दिलीप के भतीजे वैभव ने बताया कि उन्हें न तो कोई आर्थिक परेशानी थी और न ही कोई मानसिक तनाव। रविवार को भी उन्होंने

परिवार के सभी सदस्यों से सामान्य रूप से बातचीत की थी।झ दिलीप के परिवार में माता-पिता, दो भाई, पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। पूरा परिवार साथ ही रहता है। घटना के बाद से घर में मातम पसरा हुआ है।पुलिस मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के पीछे की वजह तलाशने में जुटी है।

सब्जी विक्रेता ने की आत्महत्या, कारण अज्ञात : इंदौर के तुकोगंज इलाके में रहने वाले एक 25 वर्षीय सब्जी विक्रेता ने रविवार देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन रात में शव को एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक आशीष (25) पुत्र मांगीलाल, पांडे का बगीचा इलाके में रहता था और सब्जी बेचने का काम करता था। रविवार रात वह घर आया और अपनी मां से पानी मांगा। इसके बाद वह अगले कमरे में चला गया। कुछ देर बाद जब मां पानी लेकर वहां पहुंचीं, तो उन्होंने देखा कि आशीष फंदे से लटका हुआ था।आशीष के पिता उनसे अलग रहते हैं।

5.5 फीट के घायल कोबरा की मौत

खुदाई के दौरान मिट्टी और पत्थरों के बीच फंस गया; सर्प मित्र ने किया था रेस्क्यू

इंदौर (नप्र)। सांवेर रोड इंडस्ट्रियल एरिया में जेसीबी से खुदाई के दौरान घायल हुए 5.5 फीट लंबे कोबरा सांप की इलाज के दौरान

मौत हो गई। सर्प मित्र महेंद्र श्रीवास्तव ने उसका रेस्क्यू कर उपचार किया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। रविवार दोपहर उसकी मौत हो गई, जिसके बाद उसे जंगल में छोड़ दिया गया। कुछ दिन पहले खुदाई के दौरान कोबरा मिट्टी और पत्थरों के बीच फंस गया था। सूचना मिलने पर महेंद्र श्रीवास्तव ने उसे बचाया। उसकी पूंछ के पास गंभीर चोट थी, जिसे देखते हुए महेंद्र उसे इलाज के लिए घर ले आए। डॉक्टर की सलाह पर क्रीम और इंजेक्शन दिए गए, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

अंदरूनी चोट बनी मौत की वजह– महेंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, कोबरा की पूंछ पर गहरी चोट थी, हालांकि वह पूरी तरह पैरालिसिस का शिकार नहीं हुआ था। इलाज के दौरान उसके फन के पास भी अंदरूनी चोट के निशान थे।

इंदौर में दिव्यांग से यौन शोषण

बेटे को इंसाफ दिलाने भटकती रही मां, कमिश्नर से शिकायत के बाद केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर में एक महिला अपने दिव्यांग बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए पिछले 20 दिनों से भटक रही थी। उसके बेटे के साथ एक डेयरी संचालक ने यौन शोषण किया थाा। घटना के दिन ही महिला ने थाने में शिकायत दर्ज करा दी। बाद में मेडिकल रिपोर्ट में भी अप्राकृतिक कृत्य की बात सामने आई। लेकिन, पंढरीनाथ पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं की। वह मामले को दबाती रही। आखिरकार पीड़ित महिला किसी तरह पुलिस कमिश्नर तक पहुंची। उनके निर्देश पर पुलिस ने महादेव डेयरी के संचालक पंकज के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बेटे को डेयरी पर दूध लेने भेजा था

घटना 2 फरवरी की है। महिला ने दिव्यांग 27 वर्षीय बेटे को महादेव डेयरी पर दूध लेने भेजा। जब बेटा काफी देर तक वापस नहीं आया तो बेटी को लेकर महिला महादेव डेयरी पर पहुंची। यहां पंकज से बात की तो उसने कहा कि आपका बेटा आया था। मैंने उसे पीछे की दुकान पर काम से भेजा है। महिला काफी देर तक उसका इंतजार करती रही। जब युवक की बहन उसे देखने दुकान के पीछे वाली गली में गई तो पंकज अंदर की तरफ चला गया। बाद में उसने पीछे के चैनल गेट से युवक को बाहर कर दिया। यह उसकी बहन ने देख लिया। वह भाई को लेकर पंकज की दुकान पर पहुंची। यहां पर उसकी मां भी खड़ी थी। वह काफी घबराया हुआ था। पूछने पर उसने मां और बहन को बताया कि पंकज ने उसे बाथरूम में बंद कर गलत काम किया और मारपीट भी की।

2 फरवरी की रात में ही थाने में आवेदन दिया

महिला ने 2 फरवरी की रात में ही घटना को लेकर थाने आवेदन दे दिया था। पुलिस कर्मी उसे जिला अस्पताल धार नाका लेकर गए। यहां मेडिकल के बाद उसे एमवाय अस्पताल भेज दिया गया। मेडिकल रिपोर्ट में डॉक्टर ने उसके साथ गलत काम का उल्लेख किया है।हालांकि, मेडिकल रिपोर्ट के 2 माह बाद भी कार्रवाई नहीं करते हुए पुलिस महिला को टालती रही। 22 फरवरी को महिला अपने वकील कृष्ण कुमार कुन्हारे और डॉ. रुपाली राठौर के साथ पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह के ऑफिस पहुंची। यहां भी महिला ने उन्हें पूरी बात बताई। मामले में आरोपी पर केस दर्ज कराया।

पुलिस कमिश्नर ने सुनाई थी सजा

एक सप्ताह पहले ही पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने पंढरीनाथ थाने का दौरा किया था। यहां टीआई कपिल शर्मा के साथ स्टाफ को बीएनएस की धारा के साथ नाबालिग की गुमशुदगी के मामले में फटकार लगाई थी। इसके बाद सभी को 3 दिन की डीसीपी ऋषिकेश मीणा के यहां ट्रेनिंग देने की बात कही। बाद में टीआई सहित सभी पुलिसकर्मियों को यहां एग्जाम देना पड़ा था। बेहतर रिजल्ट आने के बाद सभी को थाने भेजा गया था।

संपादकीय

जर्मनी : सीडीयू की जीत के मायने

जर्मनी में हुए आम चुनाव में क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) पार्टी के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने और अति दक्षिणपंथी माने जाने वाली पार्टी एएफडी दूसरी सबसे बड़ी पार्टी का उभारना वैश्विक राजनीति में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाला है। सीडीयू को जर्मनी की कंजरवेटिव पार्टी माना जाता है। सीडीयू ने नेता और जर्मनी के नए संभावित चांसलर (प्रधानमंत्री) फ्रेडरिक मर्ज ने चुनाव जीतने के बाद कहा है कि जर्मनी यूक्रेन के साथ खड़ा रहेगा। इसका अर्थ यह है कि यूरोप रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन का समर्थन और मदद जारी रखेगा। फ्रेडरिक का कहना है कि यूरोप में जंग के तीन साल के दौरान हमने तबाही और युद्ध अपराधों की भयावह तस्वीरें देखीं। अब हमें यूक्रेन को पहले से ज़्यादा ताक़त देने की ज़रूरत है। शांति के लिए जिस देश पर हमला हुआ है उसे शांति वार्ता का हिस्सा ज़रूर होना चाहिए। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पक्षपाती शांति योजना को पलीता लग सकता है। हालांकि मर्ज के लिए भी नई सरकार बनाना आसान नहीं है। क्योंकि आम चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। जबकि 28.5 फीसदी वोट लेकर सीडीयू ने जर्मन संसद बुंडेस्टाग की 630 में से 208 सीटें जीती हैं। इसके बाद अति दक्षिणपंथी एएफडी को 20.8 प्रतिशत वोटों के साथ 152 पर विजयी हुई है। इस पार्टी के नेता एलिस वीडेल को जीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति2 डोनाल्ड ट्रंप और उनके सलाहकार इलान मस्क ने बधाई दी है। मस्क शुरू से एएफडी का समर्थन कर रहे थे। चुनाव में सत्तारूढ़ सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) की करारी हार हुई है। उसे 120 सीटें ही मिली। हालांकि चुनाव में लेफ्ट पार्टियों को भी 64 सीटों पर जीत हासिल हुई है। सीडीयू नेता फ्रेडरिक मर्ज की कहानी दिलचस्प है। उन्होंने जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल के साथ हुए विवाद के बाद राजनीति छोड़कर वकालत शुरू कर दी थी। लेकिन बाद वो फिर सियासत में लौटे। 2022 में वो सीडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। नई परिस्थितियों में मर्ज को या तो एएफडी या एसपीडी का समर्थन लेना होगा। यानी जर्मनी में गठबंधन सरकार होगी, जो आसान नहीं है। हालांकि फ्रेडरिक का कहना है कि सरकार बनाने के लिए सभी से संपर्क में हैं। अगर गठबंधन सरकार बन भी गई तो चलेगी कितने दिन यह बड़ा सवाल है। अवैध प्रवासियों के मामले में फ्रेडरिक मर्ज का रुख सख्त माना जाता है। इसके अलावा, वह जर्मनी की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। उनकी वापसी के साथ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार एक अतिवादी दक्षिणपंथी दल देश में सत्ता में काबिज हो रही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'जर्मनी में कंजर्वेटिव पार्टी ने बहुत बड़ा और बहुप्रतीक्षित चुनाव जीत लिया है। अमेरिका की तरह ही, जर्मनी के लोग भी बिना तर्क वाली नीतियों से थक चुके थे, खासतौर पर ऊर्जा और आप्रवासन (इमिग्रेशन) के मामलों में। यह जर्मनी के लिए और अमेरिका के लिए एक शानदार दिन है। बधाई हो-अब और भी जीतें आगे आएंगी !' हालांकि अभी यह कहना कठिन है कि ट्रंप की बधाई के बाद भी जर्मनी और अमेरिका के रिश्ते कैसे रहेंगे। अवैध प्रवासी जर्मनी का सबसे बड़ा मुद्दा है। इस मामले में नई सरकार अवैध प्रवासियों पर सख्तीम बढ़ा सकती है। इसके अलावा यूरोप अमेरिका से अलग लाइन लेकर अपनी पहचान और अधिकार को कायम रखना चाहता है। ऐसे में अमेरिका से टकराव भी संभव है। वैसे जर्मनी के आम चुनाव में अमेरिका और रूस के हस्तक्षेप की बात भी सामने आ रही है।

नजरिया

अशोक भाटिया
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बदलते संबंधों का क्या होगा असर?

1971 के बाद पहली बार पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सीधा व्यापार शुरू हुआ है। इस नए व्यापारिक संबंध के तहत, पहली बार पाकिस्तान का एक जहाज सरकारी माल लेकर बांग्लादेश के खेप पोर्ट कासिम से बांग्लादेश के लिए रवाना हुआ। फरवरी की शुरुआत में, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच एक समझौता हुआ, जिसके तहत बांग्लादेश ने ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान के माध्यम से 50 हजार टन पाकिस्तानी चावल खरीदने का निर्णय लिया। सूत्रों के मुताबिक पहली बार सरकारी माल ले जाने वाला पाकिस्तानी जहाज बांग्लादेशी बंदरगाह पर उतरेगा। इस चावल आयात को दो फेज में पहुंचाया जाएगा। पहली खेप में 25 हजार टन चावल भेजा जाएगा और दूसरी फेज में भी 25 हजार टन ही चावल भेजा जाएगा। इन दो खेप को मिलाकर कुल 50 हजार टन चावल का आयात किया जाएगा।वर्तमान में बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की सरकार सत्ता में है। यूनुस के सत्ता में आने के बाद से ही बांग्लादेश पाकिस्तान से नजदीकियां बढाए जा रहा है। दोनों देश न केवल व्यापारिक बल्कि सैन्य सहयोग भी बढ़ाने में जुटे हैं।

इसी के मद्देनज़र विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बांग्लादेश को लेकर शनिवार को एक इवेंट के दौरान एक बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को तय करना होगा कि वह भारत के साथ कैसा रिश्ता चाहते है? जयशंकर ने बांग्लादेश के हालिया रवैये को लेकर कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि एक तरफ आप कहें कि अच्छे संबंध चाहते हैं, दूसरी ओर हर बात के लिए हमें जिम्मेदार ठहराएं। उन्होंने कहा कि भारत ने साफ संदेश दिया है कि हम पड़ोसी से अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन यह अप्रोच दोतरफा होनी चाहिए।दरअसल, युनूस प्रशासन के आने के बाद बांग्लादेश से भारत के संबंधों में तेजी से बदलाव आया है। शेख हसीना के प्रत्यर्पण से लेकर बॉर्डर पर फेंसिंग के मसले तक बांग्लादेश और भारत असहज डिप्लोमेसी में उलझे हैं। दिक्कत सिर्फ इतनी भर नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि अब पाकिस्तान धीरे-धीरे बांग्लादेश के करीब आने की कोशिश कर रहा है, जो कि उसकी दीर्घकालीन विदेश नीति से अलग पोजिशन है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने भले ही यह कहा हो कि ऐसी गतिविधियों पर नजर बनी हुई है, लेकिन बांग्लादेश और पाकिस्तान जिस तेजी के साथ एक-दूसरे के साथ राजनयिक लेवल पर इंगेज हो रहे हैं, यह भारत के लिए नई सिरदर्दी साबित हो सकता है। पाकिस्तान के खुफिया विभाग आई एस आई के डायरेक्टर जनरल ऑफ एनालिसिस मेजर जनरल शाहिद आमिर अफसर की बांग्लादेश यात्रा या पाकिस्तान के एक्सरसाइज अमान में बांग्लादेशी नेवी वॉरशिप का शामिल होना, दोनों देशों के बीच काफी तेजी से बढ़ रही नजदीकी गतिविधियां दिखाता है।

उच्चायुक्त ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने की घोषणा की।

पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने दो उल्लेखनीय अवसरों पर मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की। पहली बार सितंबर 2024 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में और फिर दिसंबर में काहिरा में डी-8 शिखर सम्मेलन के दौरान। दोनों नेताओं ने आर्थिक सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और डेंगू संकट से निपटने के लिए

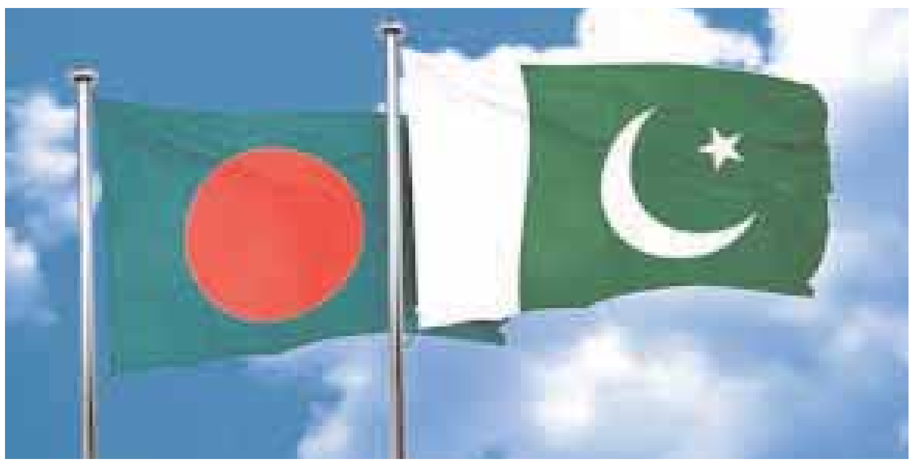

पड़ोसी देश बांग्लादेश में मस्क के स्टारलिंक के आने की चर्चाएं जोरों पर हैं। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार युनूस ने मस्क से इस सर्विस को जल्द लॉन्च करने की इच्छा जताई है। भारत में यह सेवा अभी शुरू नहीं हो पाई है, सरकार की ओर से कुछ दिन पहले कहा गया था कि कंपनी को पहले सुरक्षा संबंधित मानकों पर खरा उतरना होगा। ऐसे में अगर बांग्लादेश में यह सर्विस लॉन्च हो जाती है तो सुरक्षा संबंधित चिंताओं से बेफिक्र नहीं हुआ जा सकता है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद नई दिल्ली और ढाका के बीच रिश्तों में खटास बढ़ती जा रही है। मोहम्मद यूनुस के आते ही हजारों हिंदुओं को हिंसा का सामना करना पड़ा, जिससे हालात और बिगड़ गए। अब बांग्लादेश उस देश से नजदीकी बढ़ा रहा है, जिसे भारत में दुश्मन की नजरों से देखा जाता है। हाल की घटनाओं से जाना जा सकता है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान धीरे-धीरे करीब आ रहे हैं। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ सीधी फ्लाइट शुरू करने का फैसला किया है। पाकिस्तान में बांग्लादेश के रणनीतियों का विस्तार करने पर जोर दिया, जो दोनों देशों में एक गंभीर स्वास्थ्य चिंता का विषय रहा है। यूनुस ने 1971 के युद्ध से उपजे लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों के समाधान पर भी जोर दिया, इस बात पर जोर देते हुए कि उन्हें 'भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बार और हमेशा के लिए' निपटाने की जरूरत है। जवाब में शहबाज शरीफ ने आश्वासन दिया कि पाकिस्तान इन ऐतिहासिक विवादों को सुलझाने के तरीके तलाशेगा। 1971 के क्रूर मुक्ति संग्राम के बाद से ऐतिहासिक रूप से अलग-थलग पड़े दोनों राष्ट्र - जिसमें पाकिस्तानी सेना पर लगभग तीन मिलियन लोगों के नरसंहार और 2,00,000 बंगाली महिलाओं का उल्लंघन करने का आरोप है। लेकिन अब वहां से मेल-मिलाप के संकेत मिल रहे हैं।

भारत के नजरिए से, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच नई गर्मजोशी चिंता का विषय है। बता दें कि बांग्लादेश दक्षिण एशिया में अब तक भारत का सबसे करीबी सहयोगी रहा है, जिसके साथ गहरे आर्थिक संबंध हैं। इस क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और क्षेत्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से इसकी निकटता को देखते हुए, उग्रवाद को नियंत्रित करने में बांग्लादेश का सहयोग महत्वपूर्ण रहा है। 1990 और 2000 के दशक के दौरान, कई भारत विरोधी आतंकवादी समूहों को बांग्लादेश में पनाह मिली, उन्होंने हथियारों की तस्करी और विद्रोहियों की भर्ती के लिए इसकी 4,000 किलोमीटर लंबी सीमा का इस्तेमाल किया। शेख हसीना की सरकार ने इन तत्वों पर काफी नकेल कसी थी, जिससे भारत का विश्वास अर्जित हुआ और द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए। हसीना के नेतृत्व में, बांग्लादेश और भारत ने 2014 के समुद्री सीमा समझौते और 2015 के भूमि सीमा समझौते सहित प्रमुख विवादों को भी सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाया। बांग्लादेश के अधिक स्वतंत्र विदेश नीति की ओर बढ़ने की संभावना - जिसमें पाकिस्तान के साथ संबंधों को फिर से प्रज्वलित करना शामिल है।

अगले महीने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार की ढाका की अपेक्षित यात्रा है, जो कि 2012 के बाद पहली बार होने जा रही है। ये यात्रा भारत के लिए असहजता खड़ी कर सकती है। हालांकि, बदलते कूटनीतिक ज्वार के बावजूद, बांग्लादेश व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा सहयोग के लिए भारत पर बहुत अधिक निर्भर है। अपनी वर्तमान राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक नाजुकता को देखते हुए, बांग्लादेश भारत को पूरी तरह से अलग-थलग करने का जोखिम नहीं उठाएगा।

बांग्लादेश की नई सरकार का पाकिस्तान के प्रति पहले की तमाम सरकारों से बिल्कुल ही अलग दिख रहा है। यही वजह है कि दोनों देशों की सेनाएं लगातार एक दूसरे के साथ बैठक कर अपने संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। इसी कड़ी में कुछ दिन पहले बांग्लादेश की सेना के वरिष्ठ अधिकारी पाकिस्तान के रावलपिंडी गए थे। इसके बाद पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के कई बड़े अधिकारी बीते दिनों ढाका आए थे। इस दौरे में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों ने बांग्लादेशी सेना के वरिष्ठ अधिकारी से बात की और भविष्य की योजनाओं को लेकर चर्चा की। कई दशकों से बांग्लादेश से भारत के संबंध बेहतर रहे हैं ऐसे में बांग्लादेश की पाकिस्तान से बढ़ती नजदीकियों पर भारत भी लगातार नजर बनाए हुए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार बांग्लादेश और पाकिस्तानी सेना की बैठकों और उसके बाद पैदा होने वाला हालात पर भारत की पैनी नजर है और भारत किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सक्षम है।

पर्यावरण

कुमार सिद्धार्थ
लेखक स्तंभकार हैं।

भारतीय हिमालयी क्षेत्र में चुनौती जलवायु परिवर्तन

भारतीय हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अब केवल एक भविष्य की चिंता नहीं रह गया है, बल्कि यह वर्तमान की एक गंभीर चुनौती बन गया है। यह क्षेत्र, जो बर्फ से ढकी चोटियों, ऊँचे पठारों और गहरी घाटियों के लिए जाना जाता है, न केवल भारत के जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि देश के लाखों लोगों की आजीविका और जल स्रोतों का आधार भी है।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बंगलूरू का जलवायु प्रकोष्ठ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने और उनके समाधान के लिए वैज्ञानिक और सामुदायिक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित रपट जलवायु परिवर्तन के मुख्य प्रभावों, उनके सामाजिक-आर्थिक परिणामों, और अनुकूलन रणनीतियों पर गहन दृष्टि प्रदान करती है। रपट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से हिमालयी जिलों में तापमान, वर्षा और प्राकृतिक आपदाओं के स्वरूप में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं।

अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, सीईओ अनुराग बेहार ने रपट के प्राक्कथन में जलवायु संकट की गंभीरता और उसके तात्कालिक प्रभावों को रेखांकित किया है। उनका मानना है कि, 'जलवायु परिवर्तन कोई दूरस्थ भविष्य की चुनौती नहीं है, यह आज की वास्तविकता है। आने वाले 16 वर्षों में, भारत में औसत तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है, और हिमालयी क्षेत्र व तटीय क्षेत्रों में इसका प्रभाव और भी नाटकीय होगा।'

जलवायु परिवर्तन न केवल पर्यावरण को बल्कि समाज, अर्थव्यवस्था और परिवारों की दैनिक जिंदगी को गहराई से प्रभावित करता है। भारत में मानसून का बदलता स्वरूप और तीव्र बारिश की घटनाएँ कृषि, जल संसाधनों और मानव जीवन पर गंभीर असर डाल रही हैं। बेहार ने इस बात को रेखांकित करते हुए कहा कि 'हमारे देश में जो सबसे वंचित और कमजोर वर्ग हैं, वे इस संकट का सबसे अधिक खामियाजा भुगत रहे हैं।'

रपट में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि इस प्रकार के उच्च-रिज़ॉल्यूशन डेटा सेट और विश्लेषण नीतिगत कार्रवाई को प्रेरित करते हैं। श्री बेहार ने कहा कि 'हमें अपनी शासन प्रणालियों, शैक्षणिक ढाँचों और सामुदायिक पहलों को इस संकट से निपटने के लिए पुनर्गठित करना होगा। यह न केवल एक जलवायु संकट है, बल्कि यह हमारी समता और न्याय आधारित समाज की दिशा में भी एक परीक्षा है।'

इस रपट में उपयोग किए गए डेटा उच्च-रिज़ॉल्यूशन जलवायु मॉडल पर आधारित हैं, जो भारतीय हिमालयी क्षेत्र के लिए 25 बाय 25 किलोमीटर के ग्रिड पर जलवायु प्रक्षेपण प्रदान करते हैं। इन मॉडल्स में इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज द्वारा विकसित साझा सामाजिक-आर्थिक मार्गों का उपयोग किया गया है। रपट के अनुसार, वर्ष 2021-2040 के बीच हिमालयी क्षेत्र में औसत तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिमी हिमालयी जिलों में यह वृद्धि 1.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच सकती है। तापमान वृद्धि से गर्मियों में हीटवेव की अवधि लंबी और उनकी आवृत्ति अधिक होने की संभावना है। यह न केवल पर्यावरण पर, बल्कि कृषि, जल स्रोतों और मानव स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है।

हिमालयी सर्दियों में अब लंबे शुष्क काल देखे जा रहे हैं। न्यूनतम सर्दियों के तापमान में 2.1 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की संभावना है, जिससे बर्फ की परत पतली हो सकती है। इसका प्रभाव जलाशयों और कृषि पर पड़ रहा है। जल की कमी के कारण रबी फसलों और जल विद्युत उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बर्फ पिघलने पर आधारित पारंपरिक 'घराट' (जल मिल) जैसे संसाधन अब अनिश्चित हो गए हैं।

ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने के कारण जलाशयों के लिए खतरा उत्पन्न हो रहा है और हिमनद झील विस्फोट बाढ़ की घटनाएँ बढ़ सकती हैं। उदाहरण के लिए वर्ष 2023 में सिक्किम के साउथ लोनाक झील में ऐसा ही एक उदाहरण देखने में आया। हिमाचल प्रदेश के बागवान शिकायत करते हैं कि कम सर्दियों के तापमान के कारण सेबों का रंग और गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

जलवायु परिवर्तन हिमालयी क्षेत्र की कृषि और आजीविका पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। तापमान और वर्षा के असामान्य पैटर्न के कारण पारंपरिक फसल चक्र प्रभावित हो रहा है। उदाहरण के लिए, लद्दाख में खुबानी (एप्रिकॉट) उत्पादन तेजी से प्रभावित हो रहा है, और कुछ क्षेत्रों में नई फसलों की खेती को बढ़ावा मिला है। पश्चिमी हिमालयी जिलों में गेहूँ और मक्के की पैदावार में कमी दर्ज की जा सकती है, जबकि उच्च तापमान के कारण सेब उत्पादन के लिए उपयुक्त क्षेत्र उच्च ऊँचाई की ओर स्थानांतरित हो रहे हैं।

बदलता वर्षा पैटर्न- मौसम की अनियमितता हिमालयी क्षेत्र के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। पश्चिमी हिमालयी जिलों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान 10-20 फीसदी अधिक वर्षा होगी, जबकि पूर्वी जिलों में कमी देखी जा सकती है। भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं की घटनाएँ बढ़ रही हैं। उदाहरण के लिए वर्ष 2013 में उत्तराखंड में आई बाढ़ ने हजारों लोगों की जान ली और बुनियादी ढाँचे को भारी क्षति पहुँचाई।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव सबसे अधिक समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ रहा हैं। गुज्जर समुदाय जैसे लोग, जो अपने मवेशियों के लिए चारागाहों पर निर्भर हैं, अब अधिक दूरी तय करने के लिए मजबूर हैं। बढ़ते तापमान और जल संकट से पर्यटन उद्योग पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। जम्मू-कश्मीर के गुज्जर समुदाय की शाहनाज़ अख्तर कहती हैं, 'हमारे पारंपरिक प्रवास मार्ग अब बदल गए हैं। अनियमित बारिश और सूखा हमारे लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं, जिससे हमें जल स्रोतों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।'

वहीं मेघालय की निवासी रसिन मोहसिना शाह कहती हैं, 'गर्मियों में बढ़ती आर्द्रता और बदलते मौसम ने यहाँ के जलवायु संतुलन को बदल दिया है। अब वह ठंडक महसूस नहीं होती जो पहले होती थी।+

जल संसाधन प्रबंधन- हिमालयी नदियाँ, जैसे ब्रह्मपुत्र, गंगा और यमुना, इस क्षेत्र की जीवनरेखा हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण इन नदियों के प्रवाह में अस्थिरता देखी जा रही है। जल संसाधन प्रबंधन के लिए स्थानीय जल स्रोतों का संरक्षण और पुनरुद्धार आवश्यक है। पारंपरिक जल स्रोत, जैसे बावड़ी और तालाब का पुनरुद्धार किया जाना चाहिए। अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में मानसूनी जल को संग्रहित कर सूखे के दौरान उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, नदियों के प्रवाह को नियंत्रित करने और उनके किनारों पर पारिस्थितिकी को संरक्षित रखने के लिए प्रभावी नीतियाँ बनाई जानी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन के कारण आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता को देखते हुए प्रभावी आपदा प्रबंधन नीतियाँ आवश्यक हैं। भूस्खलन, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के लिए सटीक और समय पर चेतावनी प्रणाली विकसित करना एक प्रमुख कदम है। संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचों का निर्माण आपदा-रोधी मानकों के अनुसार किया जाना चाहिए। आपदा प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे वे आपदाओं से निपटने के लिए सशक्त बन सकें।

भारतीय हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव गंभीर और व्यापक हैं। बदलते वर्षा पैटर्न, जल संसाधनों की चुनौतियाँ, और आपदाओं की बढ़ती घटनाएँ इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी और सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को प्रभावित कर रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें नीति निर्माण, सामुदायिक भागीदारी और नवीन तकनीकों का प्रभावी उपयोग शामिल हो। ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने जैसे उपायों से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सकता है। जलवायु अनुकूल नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से हिमालयी क्षेत्र को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बचाने और इसकी समृद्ध जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में सफल हो सकते हैं।

ये वादियाँ ये फ़िज़ाएँ बुला रही हैं

दृष्टिकोण

रमेश रंजन त्रिपाठी
लेखक स्तंभकार हैं।

जंगल, पहाड़, नदियाँ, समंदर, जीव-जंतु हमेशा हम इंसानों को आकर्षित किया करते हैं। मनुष्य आखिर है तो धरती पर जीवन के विकास का चरम बिंदु ही न ! साढ़े चार अरब साल पहले पृथ्वी के अस्तित्व में आने के बाद होमो सेपियंस यानी आधुनिक इंसान अभी दो लाख वर्ष पुराने ही तो हैं। हमसे पहले धरती पर नदी, पर्वत, हवा, जंगल, समुद्र, जीवधारी, सब मौजूद थे। मानव ने अपनी विकास यात्रा इनके अभिभावकत्व में ही पूरी की है। इन सबके सानिध्य से बने संस्कार हमें हरदम प्रभावित करते हैं। ऊँचे पहाड़ सुरक्षा की भावना जगाते हैं तो हिलोरें लेती अगाध जलराशि जीवन में प्रचुरता का अहसास कराती है। हरे-भरे पेड़-पौधे भरणपोषण की गारंटी हैं। नित नवीन ऊर्जा के संचरण का जिम्मा शीतल पवन ने अनंतकाल से उठा रखा है। जीवधारियों के कारवां में मनुष्य सबसे बाद में जुड़ने वाले सदस्य हैं। मानें या न मानें, इंसान सभी के लाड़ले हैं। सब हमें दिल से प्यार करते हैं। उदाहरण के लिए, हवा तूफान की वाहक है लेकिन हमारे लिए प्राणवायु बन जाती है। अग्नि का स्वभाव है भस्म कर देना परंतु इंसान को ऊष्मा, उजास और ऊर्जा सप्लाई करने में कोताही नहीं बरतती। प्रलय की कारक जलराशि हमारे शरीर में लहू को द्रव बनाकर दौड़ाती है।

विकास क्रम में सर्वाधिक परिवर्धन हुआ मानव मस्तिष्क की क्षमताओं का। विवेक की प्रखरता इंसान को निरंतर गतिमान बनाए रखती है। यद्यपि प्रगतिशीलता मनुष्य की सोच-समझ में बदलाव लाती है परंतु प्राचीन चिन्ह जल्दी मिटते नहीं। जैसे किसी शिशु को पहली बार माँ द्वारा सीने से लगाकर दी गई थपकी उसे ताउम्र न केवल याद रहती है बल्कि अच्छी भी लगती है, उसी तरह कभी-कभी हमारे अवचेतन में बसे अनेक अच्छे-बुरे अनुभवों के निशान रह जाते हैं और अनुवांशिक रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी चलते हुए अनेक अवसरों पर हमें प्रभावित किया करते हैं। यही असर हमें अपने अति प्राचीन साथियों, पहाड़ों, नदियों, जंगलों, समंदर आदि की तरफ खींच ले जाता है। अन्यथा सोचिए, एक बहुत ऊँचा ऊबड़ खाबड़ पहाड़, पेड़ों का बेतरतीब जंगल अथवा अजीबोगरीब शक्ल-ओ-सूरत के जानवर हमारे मन को क्यों लुभाते? वे हमें अपनी प्राचीनता की अनुभूति कराते हैं। प्रकृति की इसी गोद में बैठकर, उसके आंगन में खेलकर या उससे मिले दाना-पानी के दम पर जीवन यात्रा पर चलनेवाला मनुष्य अपनी स्मृति पटल से इन्हें कैसे मिटा सकता है? इंसानों को अपनी बनाई इमारतों से अधिक नैसर्गिक दृश्यावली सुकून देती है, भले ही वह पर्वत हो या समुद्र, जंगल हो या रेगिस्तान, आग उगलता ज्वालामुखी हो अथवा शीतल जल उँडेलता झरना।

इंसानों ने प्रगति के पथ पर चलते हुए पशु प्रवृत्तियों से पृथक होकर अपने लिए आचार-व्यवहार की नई व्याख्या की। इस प्रक्रिया को सभ्यता का विकास कहा गया। प्रारंभ में मनुष्यों के समक्ष जीवन रक्षा सबसे अहम मुद्दा था। जंगली जानवरों से स्वयं को बचाना और जिंदा रहने के लिए भोजन पानी का इंतजाम करने में ही समय बीत जाता था। शनैः शनैः अग्नि के उपयोग ने मनुष्यों को सर्दी और जंगली जानवरों से बचने में मदद की, अंधेरे से लड़ने और भोजन को भूनकर स्वादिष्ट और सुपाच्य बनाने में अहम भूमिका निभाई। पावक ने मानव जीवन को सर्वाधिक प्रभावित किया। इसीलिए सनातन संस्कृति के आदिग्रंथ ऋग्वेद की पहली ऋचा अग्नि को समर्पित है। कालांतर में अनेक विद्वानों ने अपनी प्रज्ञा का सदुपयोग करते हुए वैचारिक स्तर को उच्चतम अवस्था में पहुँचाने का महती कार्य किया। प्रकृति के दृश्यमान और अपने लिए उपयोगी कारकों की वंदना से आगे बढ़ते हुए उसने संपूर्ण ब्रह्माण्ड के विषय में सोचना प्रारम्भ किया और उसके अदृश्य नियंता को परमेश्वर कहकर संबोधित किया। निराकार ईश्वर की उपासना अपेक्षाकृत कठिन होने से सामान्य जन को उसके विषय में ज्ञान प्रदान करने के लिए भगवान के सगुण साकार स्वरूप का वर्णन किया गया। मानव मात्र को किस्सागोई पसंद होने से धार्मिक, नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक जैसे अनेक विषयों का ज्ञान कथा कहानियों के माध्यम से दिया जाने लगा।

चूँकि मनुष्य समझदार होता है इसलिए आवश्यकता के अनुसार अविष्कार करने लगा। व्यक्ति से परिवार, फिर समाज बना। बस्तियाँ बसीं। गाँव, कस्बे और नगर बने। कार्यों का विभाजन हुआ, जवाबदेही तय हुई और अधिकारों को परिभाषित किया गया। संपूर्ण विश्व में मानव समाज ने धारण करने योग्य कर्मों की व्याख्या की जिन्हें धर्म माना गया। अपने कर्तव्यों का ईमानदार निर्वहन धर्म है। मानवीय मूल्यों का निर्धारण और उनका पालन नैतिकता की उच्चतम श्रेणी है। सभी धर्मों में प्रेम, दया, करुणा, परोपकार और त्याग की महत्ता सर्वोपरि है। मानवता ही उत्तम धर्म है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रमोद ताम्बनट
लेखक व्यंग्यकार हैं।

कुएं में कूदने के लिए टर्नआउट

लो साब, मुझे अब पता चला कि 2024 में मैंने वोट डालने के लिए बूथ की तरफ़ जो टर्न लिया था उसके लिए अमेरिका ने पैसा दिया था, यह बात अलग है कि वह पैसा मुझे आज तक मिला ही नहीं है। 2024 में ही क्यों, उसके पहले 2019 में भी मैंने वोट डाला था और 2014 में भी। मतलब हर बार जब मैं वोट डालने के लिए बूथ की तरफ़ टर्न होता हूँ तो उसके लिए अमेरिका पैसा भेजता रहा है लेकिन वो पैसा मुझ तक कभी पहुँचता ही नहीं है, बीच में ही उसे कोई खा जाता है।

पहले कोई बूथ की तरफ टर्न ही नहीं होता था। खास कर के नौजवान कभी टर्न नहीं होता था क्योंकि उसका सोचना था कि वोटों की राजनीति से इस देश का कभी भला नहीं होने वाला। फिर अचानक पता नहीं कैसे नौजवान न केवल बूथ की ओर टर्न होने लगा बल्कि भर-भर के वोट भी डालने लगा। बड़ी तादात में नौजवान टर्न होकर वोट डालकर बदलाव के सपने देखने लगा। पता नहीं किसने किसको कितना पैसा भेजा था जो नौजवान लोगों में यह क्रांतिकारी परिवर्तन आ गया था और वे देशभक्तन वोटर बन गए। सभी हर बार बूथ की तरफ़ टर्न होकर किसी न किसी को वोट डालकर आने लगे मगर हर बार सबको इसी तरह बेवकूफ बनाया जाता रहा है। वो तो भला हो विश्वे साहूकार ट्रम्प का जो उसने दुनिया भर को बता दिया कि लोकतंत्र से निराश लोगों के बूथ पर टर्नआउट होकर वोट डालने के लिए उन लोगों ने बड़ी भारी मात्रा में इधर डॉलर भेजा था। कौन कम्बख्त सारा पैसा खा गया किसी को कुछ पता ही नहीं चला।

अब तो मुझे बुरी तरह शक होने लगा है कि हमारे देश के लोग जो कुछ भी हिलना-डुलना करते हैं अमेरिका सब के लिए पैसा देता है। मसलन देश क्या खाए-पीये, क्या सोचे-विचारे, क्या दुःख मनाए क्या खुशी मनायें, कब ताली-थाली बजाए, कब गोबर-गोमूत्र से नहाए, कब किसकी जय-जयकार करे, कब किसकी इज़्ज़त की मट्टी-पलीत कर दे, सबके लिए अमेरिका अवश्य ही पैसा भेजता होगा। पैसा किसी को मिलता नहीं यह बिल्कुल अच्छी बात नहीं है। लोग इतने भक्तिभाव से अमेरिका की फंडिंग का मकसद पूरा करते हैं तो लोगों को उनके लिए आया पाई-पाई पैसा दिया जाना चाहिए।

हाल ही में लोग बड़ी मात्रा में वेलेंटाइन वीक मनाने के लिए टर्न हुए, अवश्य ही इसके लिए भी अमरीका से पैसा आया होगा ताकि भारतीय लोग देशी के साथ-साथ विदेशी मार्केट को भी सीपीआर दे सकें । अभी कुंभ में बड़ी भारी संख्या में श्रद्धालुओं का टर्नआउट हो रहा है। इससे पहले कभी किसी कुंभ में ऐसा पागलपन भरा टर्नआउट देखने को नहीं मिला। बताइये भला इतनी बड़ी तादात में श्रद्धालुओं का कीचड़ में नहाने के लिए प्रयागराज की तरफ़ टर्न होने का कोई जायज़ कारण नज़र आता है क्या, सिवा इसके कि इस टर्नआउट के लिए भी अरबों-खरबों डॉलर अमेरिका से आया हो! पिछले कई सालों में धर्म और धर्मान्धता की तरफ़ बल्क- टर्नआउट को देखते हुए भी यही शक गहराता है कि अमेरिका ज़रूर ही अपने बजट में कटौती कर के भारत को इसके लिए पैसा भेजता होगा और इससे यह भी खुलासा होता है कि हमारा देश जल्दी से जल्दी विश्वगुरु बन जाए अमेरिका को इसकी चिंता भी बहुत लगी रहती होगी और वह इसके लिए अपने बजट में विशेष प्रावधान भी करता होगा। इधर आकर पैसा जाता कहाँ है बस यही बात समझ में नहीं आती।

अमेरिका को दुनिया का बाप ऐसे ही तो नहीं कहा जाता। वाकई वो बाप बनकर सबकी आकांक्षाएँ पूरी करता है। जिसको जिस चीज़ के लिए पैसा चाहिए वह सांताक्ला ज़ की तरह घर आकर देकर जाता है। बांगलादेश के लोगों को भी उसने अपने ही देश में आग लगाने के लिए पैसा दिया और उनका घर फूँक तमाशा भी देखा। दुनिया में जहाँ कहीं भी पैसे की आवश्यकता देखी जाती है अमेरिका वहाँ पैसा पहुँचाकर पब्लिक टर्नआउट की अपनी साम्राज्यवादी ज़िम्मेदारी अवश्य पूरी करता है।

अभी आजकल मुझे एक मर्सिडीज़ बेंज ख़रीदने के लिए शोरूम की तरफ़ टर्न होने की बड़ी इच्छा हो रही है, कोई बता सकता है क्या कि इसके लिए अमेरिका मुझे पैसा देगा या नहीं देगा। लोग प्रेस-मीडिया ख़रीद रहें है, पुलिस-प्रशासन ख़रीद रहे हैं, अदालत-क़ानून ख़रीद रहे, लोकतंत्र के सारे स्तंभों को ख़रीदकर अपनी जेब में रख रहे हैं, कहीं से तो पैसा आ ही रहा है तब तो न इतनी खरीददारी चल रही है। अब पता चला अमेरिका हर चीज़ के लिए पैसा बाँटने के लिए तैयार बैठा हुआ है। बस टर्नआउट भर होने के लिए तैयार रहना है। कोई हमें कुएं में कूदने के लिए टर्नआउट कराना चाहे तो अमेरिका से पैसा लेकर करा सकता है। हम तैयार हैं।

कल्पवास

कर्मयोगी

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

महाकुंभ में आध्यात्मिक तपस्या का पवित्र काल

कल्पवास आध्यात्मिक अनुशासन और आत्म परिवर्तन की एक समर्पित अवधि है। 'कल्प' एक विशिष्ट अवधि है ,जो साधक के समर्पण के आधार पर अल्पकालिक या अनंत काल तक विस्तारित हो सकता है। कल्पवास विभिन्न शक्ति संपन्न स्थानों पर किया जाता है, लेकिन इसका सबसे शक्तिशाली रूप महाकुंभ के दौरान देखा गया। एक ऐसा पवित्र समय जब दिव्य ऊर्जा अपने चरम पर होती है, जिससे आध्यात्मिक साधनाएं अधिक प्रभावी हो जाती हैं।

महाकुंभ के दौरान साधक, संत और योगी गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती नदी के तटों पर कल्पवास करते हैं। यह 45 दिनों की अवधि गहन साधना, तपस्या, कठोर अनुशासन और आत्मशुद्धि के लिए समर्पित होती है। श्रद्धालु नदी के किनारे निवास करते हैं और अपने मन, शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए गहन आध्यात्मिक साधनाओं में लीन रहते हैं। महाकुंभ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, यह एक दुर्लभ खगोलीय घटना है, जो प्रत्येक 144 वर्षों में एक बार घटित होती है। इस दौरान विशेष ग्रह स्थितियां बनती है, जो पवित्र नदियों की ऊर्जा को और अधिक प्रबल बना देती हैं। इस पावन अवसर पर लाखों साधक, संत और योगी आत्मबोध एवं मोक्ष की प्राप्ति के लिए एकत्रित होते हैं। महाकुंभ में कल्पवास करने का विशेष महत्व है क्योंकि यहाँ की आध्यात्मिक तरंगें, दिव्य जल का प्रभाव और साधकों की सामूहिक ऊर्जा आत्मिक परिवर्तन को तीव्र गति से बढ़ाती है तथा कर्मों का शुद्धिकरण करती है।

कल्पवास त्याग, गहन आत्मचिंतन और आध्यात्मिक परिष्कार का समय होता है। साधक कठोर तप, ध्यान, उपवास, और दान का पालन करते हैं। वे सत्संग (आध्यात्मिक प्रवचन), हवन (यज्ञ), और दिव्य मंत्रों के जप में संलग्न रहते हैं। कल्पवास का एक महत्वपूर्ण पक्ष महान संतों, योगियों और गुरुओं का संगम है। ये दिव्य आत्माएँ अपने अनुभव साझा करती हैं, गूढ़ आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करती हैं, और मानवता को आत्मबोध, धर्मपरायणता तथा उच्चतर जीवन की दिशा में प्रेरित करती हैं। यह आध्यात्मिक ज्ञान का आदान-प्रदान सामूहिक चेतना को उन्नत करता है, दिव्य ऊर्जा को सशक्त बनाता है और संपूर्ण जगत में सत्य का प्रकाश फैलाता है।

कल्पवास के दौरान एक प्रमुख साधना भंडारा (अन्नदान) है। महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं, साधुओं और संतों को समुदाय द्वारा प्रसाद के रूप में भोजन उपलब्ध कराया जाता है। श्रद्धालु अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देते हैं, जिससे सभी धनवान हो या निर्धन आशीर्वाद स्वरूप भोजन प्राप्त कर सकें। यह निस्वार्थ सेवा एकता, उदारता और कृतज्ञता को प्रोत्साहित करती है। यह भोजन की पवित्रता की अनुभूति कराती है, जिससे लोग व्यर्थ भोजन नष्ट करने से बचें और अपनी संपत्ति को जरूरतमंदों के साथ साझा करें। अन्नदान करने से व्यक्ति को दिव्य पुण्य और सकारात्मक कर्मों की प्राप्ति होती है, जिससे वह दान और समृद्धि के सार्वभौमिक सिद्धांत के साथ जुड़ाव होता है।

कल्पवास संतों, योगियों और आत्मज्ञानी महापुरुषों के मिलन का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करता है। इस अवधि में वे समाज के उत्थान, धर्म की रक्षा और मानव चेतना के उत्थान पर विचार-विमर्श करते हैं। ये सम्मेलन केवल दार्शनिक चर्चा तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज, राष्ट्र और संपूर्ण मानवता के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतगण समाज में सकारात्मकता फैलाने, संतुलन स्थापित करने और मानवता की सामूहिक चेतना को उन्नत करने के लिए रणनीतियाँ बनाते हैं।

कल्पवास का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू दान (परोपकार) है। तीर्थयात्री और श्रद्धालु अन्न, वस्त्र, आवास, तथा अन्य आवश्यक संसाधनों का दान करते हैं। इसमें धनराशि की मात्रा से अधिक दान की भावना का महत्व होता है, यह भाव कि व्यक्ति अपनी संपत्ति का कुछ भाग समाज के कल्याण के लिए अर्पित करे। दान करने से व्यक्ति में निःस्वार्थता, विनम्रता और कृतज्ञता का विकास होता है। यह कल्पवास का वास्तविक सार दर्शाता है भौतिक आसक्ति का त्याग और प्रेम, करुणा तथा सेवा के उच्चतर चेतना से जुड़ाव।

कल्पवास आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक उन्नति का काल है। उपवास, ध्यान, सेवा, और कठोर साधनाएं व्यक्ति की इच्छाशक्ति और आंतरिक दृढ़ता को सशक्त बनाती हैं। जब साधक संकल्प लेते हैं कि वे समाज की सेवा करेंगे, तो वे सकारात्मक कर्मों के ऐसे बीज बोते हैं जो न केवल उन्हें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी लाभान्वित करते हैं। जब तीर्थयात्री प्रार्थना, साधना और दिव्य सेवा में लीन होते हैं, तो वे प्रेम, शांति और आत्मज्ञान की तरंगों को प्रसारित करते हैं। यह पावन काल आत्म-विकास को गति प्रदान करता है और व्यक्ति को उसकी दिव्य सत्ता के समीप ले जाता है।

कल्पवास एक शक्तिशाली आध्यात्मिक अवसर है, जहाँ साधक सांसारिक विकर्षणों का त्याग कर उच्च चेतना में स्वयं को समर्पित करते हैं। महाकुंभ में इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि यहाँ की पवित्र नदियों की ऊर्जा और लाखों साधकों की सामूहिक चेतना एक अद्वितीय वातावरण निर्मित करती हैं, जो आध्यात्मिक उत्थान को तीव्र कर देती है। जो साधक तपस्या, ध्यान, दान और भक्ति में लीन होते हैं, वे अपने मन को शुद्ध करते हैं, आत्मा को ऊँचा उठाते हैं, और दिव्य ऊर्जा के साथ संरेखित होते हैं। कल्पवास आत्म परिवर्तन, आंतरिक जागृति, और अंतिम मुक्ति (मोक्ष) की एक महान यात्रा है।

परवरिश

डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानन्द व्यास

(लेखक एंटी एजिंग साइंटिस्ट एवं पूर्व प्राचार्य हैं)

गंगा जल की शुद्धता वैज्ञानिक शोध में सिद्ध

गंगा नदी, भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक, सदियों से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रही है। न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी, गंगा जल को अत्यंत शुद्ध और लाभकारी माना गया है। हाल ही में, पद्मश्री डॉ. अजय कुमार सोनकर के शोध ने गंगा जल की शुद्धता को एक बार फिर से सिद्ध कर दिया है।

डॉ. सोनकर का शोध: डॉ. सोनकर ने महाकुंभ के दौरान विभिन्न घाटों से गंगा जल के नमूने एकत्र किए और उनकी प्रयोगशाला में जांच की। उनके शोध के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं-

बैक्टीरियोफेज की उपस्थिति: गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज पाए गए, जो हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करते हैं।

अल्कलाइन पीएच स्तर: गंगा जल का पीएच स्तर 8.4 से 8.6 पाया गया, जो अल्कलाइन वाटर के समान है।

बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं: 37 डिग्री पर इंक्यूबेशन के बाद भी गंगा जल में बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं देखी गई।

गंगा जल के लाभ- स्नान के लिए सुरक्षित: डॉ. सोनकर ने कहा कि गंगा जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है, बल्कि यह त्वचा रोगों से भी बचाता है।

स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अल्कलाइन पीएच स्तर के कारण गंगा जल स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

गंगा जल: प्राकृतिक शुद्धिकरण की अद्भुत क्षमता- डॉ. सोनकर के शोध से यह स्पष्ट हो गया है कि गंगा जल में प्राकृतिक रूप से शुद्धिकरण की अद्भुत क्षमता है। बैक्टीरियोफेज की उपस्थिति के कारण यह हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करता है और अल्कलाइन पीएच स्तर के कारण यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

गंगा जल के बारे में भ्रम और सच्चाई- कुछ संस्थाओं ने गंगा जल को लेकर भ्रम फैलाया था, लेकिन डॉ. सोनकर के शोध ने उन सभी दावों को गलत साबित कर दिया है। गंगा जल न केवल शुद्ध है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है।

निष्कर्ष: गंगा जल सदियों से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। यह न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी यह बहुत शुद्ध और लाभकारी है। डॉ. सोनकर के शोध ने गंगा जल की शुद्धता को एक बार फिर से सिद्ध कर दिया है।

अतिरिक्त जानकारी- डॉ. सोनकर ने यह भी कहा कि जिन्हें संदेह है, वे उनके सामने गंगा जल की जांच कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महाकुंभ के दौरान 570 मिलियन से अधिक श्रद्धालुओं के स्नान करने के बावजूद गंगा जल दूषित नहीं हुआ है। यह सम्पूर्ण अभिव्यक्ति गंगा जल की शुद्धता और उसके लाभों के बारे में वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

महाशिवरात्रि पर विशेष

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

पहाड़ों की खोह में विराजित हैं देवाधिदेव महादेव

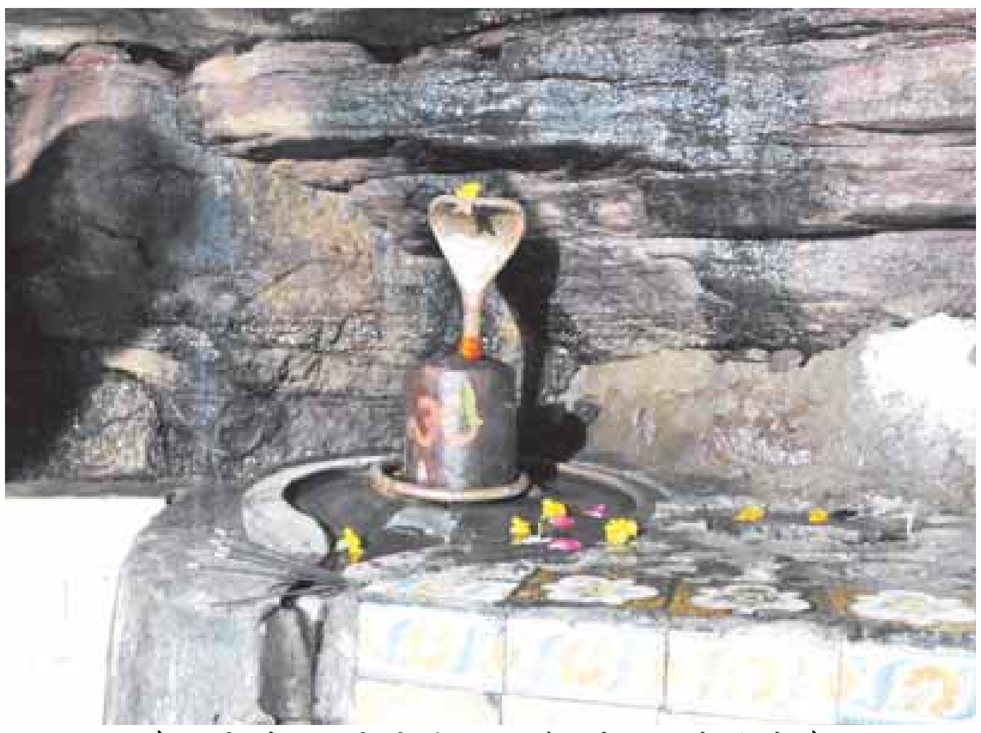

मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के पिछोर के नज़दीक पहाड़ियों, जंगलों के बीच खोहनुमा एक प्राचीन मंदिर में विराजित हैं देवाधिदेव महादेव। मंदिर को टपकेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। यह दुर्गम स्थान लगभग निर्जन सा है लेकिन यहाँ पहुंचकर असीम शांति, आत्मसंतोष और श्रद्धाभाव स्वतः उत्पन्न हो जाता है। यात्रा की थकान भी भूल जाते हैं। ऐसे वीराने में विराजे हैं भगवान भोलेनाथ भोलेबाबा। इस बार महा शिवरात्रि पर्व पर आपको टपकेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन करवा रहे हैं। यहाँ के बारे में लोगों को ज्यादा मालूमात भी नहीं है।

मान्यता है कि भीषण गर्मियों के मौसम में भी यहाँ स्थापित शिवलिंग पर प्राकृतिक रूप से टपकने वाले जल से जलाभिषेक होता देखा जा सकता है। जल की बूंदें पहाड़ी से रिस रिसकर जैसे भगवान शिव का अभिषेक करती है। मंदिर परिसर में शीतल जल की धारा गोमुख से होकर प्रवाहित रहती है। यह भी मान्यता है कि बरसों पूर्व यहाँ विशाल पर्वत के रूप में उल्का पिंड गिरा था जिसने यह रूप ले लिया।

ऐतिहासिक मान्यता है कि महाभारत काल में यह स्थान पांडवों के अज्ञातवास की प्रमुख जगह रहा हो। इसकी पुष्टि शिलालेख से होती है।माना जाता है कि पांडवों ने यहाँ गुफा में शिवलिंग स्थापित कर पूजा अर्चना की थी।

अनेक बार अपने परिजनों के साथ टपकेश्वर महादेव की यात्रा कर मंदिर के दर्शन और पूजा-पाठ कर चुके अभिजीत मिश्रा बताते हैं कि इस प्राचीन मंदिर में दर्शन और पूजा अर्चना उनके लिये सौभाग्य की बात और एक अविस्मरणीय अनुभव रहा है। उनकी मनोकामना भी पूरी हुई। इस अदभुत स्थान की प्राकृतिक सुंदरता भी मन मोह लेती है। दिव्य शिवलिंग के दर्शन और अनवरत टपकते जल से सदैव अभिषेक का दृश्य इसे और भी अनुपम बनाते हैं। उनके साथ गये परिजनों ने भी ऐसा ही अनुभव किया है।

भोलेनाथ शिवशंकर कैलाशनाथ के लिये कहा जाता है 'धन्य धन्य भोलेनाथ पधारो...तीन लोक सृष्टि में बसा दिये आप बसे वीराने में।' आपने भी देखा और अनुभव किया होगा कि भगवान शिव के मंदिर तथा अधिकांश पवित्र ज्योतिर्लिंग भी नदियों, समुद्र किनारे या पर्वत कंदराओं के मध्य स्थित है। कालांतर में हमने ही उन्हें शहरीकरण के बढ़ते प्रचलन से बस्तियों और दुकान, प्रतिष्ठानों के समीप ला दिया है। इसके चलते पवित्र ज्योतिर्लिंग के स्थान भी शहरों का हिस्सा लगने लगे हैं। महाकाल, ओंकारेश्वर, त्रयंबकेश्वर, सोमनाथ, काशी विश्वनाथ आदि इसके उदाहरण कहे जा सकते हैं।

उधर केदारनाथ तो और भी अत्यंत दुर्गम स्थान पर विराजित हैं। आज भी यहाँ की यात्रा दुर्गम मार्ग से होती है। मौसम कभी भी विपरीत हुआ कि बर्फबारी, बारिश, बाढ़, पहाड़ धसकने और लेंड स्लाइडिंग की स्थिति में यात्रा रुकने और बीच रास्ते जाम के हालात बन जाते हैं। हेलीकॉप्टर सेवा से यात्रा भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं कही जा सकती। इसके बावजूद प्रतिवर्ष हजारों लाखों श्रद्धालुजन सपरिवार यहां की यात्रा पर जाते हैं।

भगवान शिव शंकर की महिमा अपार है। शिव पुराण, भागवत महापुराण, राम चरित मानस सहित अन्य ग्रंथों में इसका विस्तार से वर्णन किया गया है। भोलेनाथ के भक्तजन प्रायः प्रत्येक दिन रुद्राष्टक, महा मृत्युंजय मंत्र, शिव चालीसा समेत विभिन्न मंत्रों का जाप कर बिल्वपत्र, आंकड़े के पुष्प अर्पित करते हैं। राम चरित मानस के उत्तर कांड में तो प्रभु श्रीराम ने स्वयं कहा है 'भगवान शिव की पूजा अर्चना कर उन्हें प्रसन्न करने वाले उन्हें (राम जी को) बहुत प्रिय हैं। शिवद्रोही प्रभु श्रीराम के कृपापात्र नहीं हो सकते। इसलिये शंकर जी और श्रीराम में कोई भेद नहीं मानना चाहिये। प्रभु श्रीराम ने अपनी सेना को सागर पार कराने के पूर्व भगवान रामेश्वर की स्थापना कर पूजा अर्चना की थी। इसीलिये रामेश्वरम का भी अत्यधिक महत्व है। इसका भी वर्णन मानस में समाहित है।'

अब बात टपकेश्वर महादेव पहुँचने की.. यहाँ भोपाल से सड़क मार्ग से विदिशा ,मुंगावली, चंदेरी आदि जगहों से होकर पहुंचा जा सकता है। शिवपुरी, ग्वालियर और झांसी से भी सड़क मार्ग से यहां जाया जा सकता है।

2017 में कुत्तों की जनसंख्या पर नियंत्रण के आदेश हुए थे जारी, लेकिन अभी तक नहीं हुआ अमल, लोगों पर कुत्ते कर रहे हमला

दो महीने में 580 लोग डॉग बाइट्स के शिकार

संजय द्विवेदी

बैतूल। बैतूल जिला मुख्यालय सहित जिले के अन्य क्षेत्र में आवारा कुत्ते एक बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं। शायद ही ऐसा कोई मोहल्ला या फिर गली होगी, जहां कुत्तों का झुंड न हो। रात के समय कुत्ते ज्यादा हमलावर हो जाते हैं और झुंड बनाकर लोगों पर हमले करते हैं। इसके अलावा जगह-जगह गंदगी भी फैलाते है। कुछ क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का इतना आतंक है कि लोग रात के समय गली मोहल्लों में बाहर निकलने में डर रहे हैं, लेकिन नगरपालिका द्वारा शहर में आवारा कुत्तों को पकडने की मुहिम पिछले लंबे अर्से से नहीं चलाई जा रही है। कुत्तों की समस्या पर काबू पाने के लिए नगरपालिका के पास न कोई योजना है, न रोकने के लिए कोई अभियान चला जा रहा है। रात के समय शहर के अधिकांश चौराहों, कॉलोनियों के चौराहों व गलियों में कुत्ते समूह बनाकर बैठे रहते हैं। इस दौरान सडक पर बाइक, साइकिल या पैदल निकलने वाले लोगों पर ये दौडकर कभी भी हमला कर देते हैं। ऐसे में लोगों में डर बना रहता है। जिन क्षेत्रों में कुत्तों की संख्या ज्यादा है। वहां के रहवासी, रात में बच्चों को भी अकेला नहीं खेलने देते। उल्लेखनीय है कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग भोपाल के अपर सचिव ने वर्ष 2017 में नगरपालिका और पशुपालन विभाग के लिए एक आदेश जारी कर सडकों पर आवारा घूम रहे कुत्तों की जनसंख्या नियंत्रण करने के निर्देश दिए थे। लेकिन यह निर्देश सिर्फ कागजी ही साबित हुए। नगरपालिका व पशुपालन विभाग ने इस मामले में रत्तीभर भी कदम नहीं उठाया। जिसकी वजह से शहर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ते जा रही है।

आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण नहीं- शहर में कुत्तों की तेजी से संख्या बढ़ रही है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुमान के मुताबिक शहर में आवारा कुत्तों की संख्या एक हजार से अधिक होने का अनुमान है। पिछले कुछ समय में कुत्तों की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है, जिसकी मुख्य वजह नपा द्वारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण नहीं किया जाना बताया जा रहा है। नगरपालिका के पास शहर में आवारा कुत्तों का कोई आंकड़ा नहीं है।

लोगों की माने तो हरेक वार्ड में 25 से 35 औसत कुत्ते हो सकते हैं। जिस पर किसी का नियंत्रण नहीं है और यह सीजन दर सीजन बढ़ते ही जा रहे हैं। लोगों ने बताया कि कुत्ते झुंड में सडक पर घूमते हैं। पैदल चलने वालों पर झुंड में हमला कर देते हैं। इससे लोगों को खतरा बना हुआ है।

आवारा कुत्तों से छोटे बच्चों के लिए बड़ा खतरा- छोटे बच्चों के लिए आवारा कुत्ते ज्यादा बड़ा खतरा हैं। कुत्तों के लिए छोटे बच्चे आसान शिकार होते हैं। पिछले दिनों कई क्षेत्रों से आवारा पागल कुत्तों द्वारा छोटे बच्चों को काट लेने की खबरें आई, इसके बाद भी नगर पालिका ने अब तक आवारा कुत्तों को पकडने के लिए दल गठित नहीं किया है। नगर पालिका इन आवारा कुत्तों को नियंत्रण करने की ओर ध्यान नहीं दे रही है। यहां बता दें कि उच्च न्यायालय में लगाई गई एक अवमानना याचिका के संदर्भ में जारी न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए नगरपालिका आवारा पशुओं पर नियंत्रण करने के निर्देश राज्य शासन ने दिए थे। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में इसके लिए समिति गठित की गई थी, लेकिन जनवरी 2017 से अब तक जिले के नगरपालिकाओं ने आवारा पशुओं खासकर कुत्तों की जनसंख्या नियंत्रण के लिए कोई काम नहीं किया है।

2017 में जारी हुए निर्देश, अब तक नहीं हुआ अमल - नगरपालिकाओं को आवारा कुत्तों की अधिक जनसंख्या वाले इलाके चिह्नित करने थे। नपा को अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप आवारा कुत्तों पर कंट्रोल करना चाहिए था, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। 2017 में जारी आदेश में पशुओं की नसबंदी के लिए पशुपालन विभाग को निर्देशित किया गया था। लेकिन नगरपालिकाओं ने इस आदेश को रद्दी की टोकरी में डाल दिया। जिस पर अब तक अमल नहीं किया गया है। जबकि नपा सीएमओ सहित अन्य अधिकारियों ने इस पर काम नहीं किया। जिसका नतीजा अब क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। यहां लोगों पर आवारा कुत्ते हमला कर रहे है, जिससे न सिर्फ वह घायल हो रहे है, बल्कि इलाज के लिए भी परेशान हो रहे है।

दो माह में 5 सौ से ज्यादा डॉग बाइट के केस - जिला अस्पताल में दो माह में डॉग बाइट के 580 से अधिक केस जिला चिकित्सालय आ चुके है। जिन्हें एंटी रैबिज के इंजैक्शन लग रहे है। जिला चिकित्सालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनवरी माह में 336 डॉग बाइट और फरवरी माह में 244 डॉग बाइट के केस आये है। जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे का कहना है कि कुत्ते के काटने पर एंटी रैबीज के इंजेक्शन लगवाना पड़ता है। जिला अस्पताल में यह टीका निःशुल्क लगाया जाता है।

पशुपालक भी करते है लापरवाही - जानकार बताते है कि आवारा कुत्तों में रैबिज का खतरा अधिक रहता है। ऐसे कुत्ते यदि किसी इंसान को काट ले और उसका समय पर इलाज न कराया जाये तो यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। इधर कुछ पशुपालक भी कुत्तों को जरूर पालते है, लेकिन उन्हें समय पर टीका नहीं लगाते है या लापरवाही करते है। इस तरह की लापरवाही न सिर्फ अन्य लोगों के लिए घातक साबित होती है, बल्कि पालतू पशुओं, कुत्तों के लिए भी घातक है। जानकार बताते है कि यदि कुत्तों को समय-समय पर वैक्सीन लगाया जाये और इसके बाद कुत्ते किसी को काटते भी है तो रेबीज का खतरा कम रहता है। इसलिए पशुपालक को समय-समय पर टीका लगवाना चाहिए, अन्यथा पालतू कुत्तों को काटने की घटना के बाद पीड़ित इसकी शिकायत या मामला भी दर्ज करवा सकता है, जिससे कुत्ता पालकों को लंबे समय तक परेशानी उठानी पड़ सकती है।

इनका कहना -

कुत्तों की नसबंदी के लिए करीब 5 हजार तक का खर्च आता है। नसबंदी पशु विभाग के माध्यम से होती है। उसके बाद कुत्तों को ऑब्जरवेशन में भी रखना पड़ता है। पशु विभाग यदि नसबंदी का खर्च उठाता है तो हम कुत्तों को पकडकर दे देंगे। मेरा कुत्ता पालकों से भी आग्रह है कि वह समय-समय पर कुत्तों को टीका लगवाये और उन्हें सडकों पर आवारा न छोड़े। आगामी समय हम आवारा कुत्तों को पकडकर शहर के बाहर छोडने का अभियान चलायेंगे।

- सतीश मटसेनिया,
सीएमओ नगरपालिका आमला

कुत्तों की नसबंदी का काम नगरपालिका करवाती है। नपा डॉक्टर को अनुबंधित करती है और नसबंदी करवाती हूं। फिलहाल शहर में कितने पालतू कुत्ते है, इसकी जनगणना का काम चल रहा है। तीन-चार महीने में जनगणना पूरी होगी, उसके बाद ही बता पायेंगे।

विजय पाटिल,
पशु चिकित्सक, जिला पशुचिकित्सालय बैतूल

अश्वगंधा से आत्मनिर्भर बनेंगे किसान

प्रधानमंत्री किसान सम्मान समारोह में आयुष विभाग ने दी औषधीय खेती की जानकारी

बैतूल। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त वितरण के अवसर पर आयोजित किसान सम्मान समारोह में आयुष विभाग बैतूल ने किसानों को औषधीय पौधों की खेती के प्रति जागरूक किया। जिले में एक जिला एक औषधीय उत्पाद (ओडीओएमपी) योजना के तहत अश्वगंधा को औषधीय उत्पाद के रूप में चुना गया है। आयुष विभाग बैतूल के अधिकारियों ने किसानों को अश्वगंधा की खेती, उसके औषधीय गुणों और आर्थिक लाभों के बारे में जानकारी दी। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र बैतूलबाजार में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

आयुक्त, संचालनालय आयुष म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर बैतूल के मार्गदर्शन में जिले में देवारण्य योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिला देवारण्य तकनीकी समिति द्वारा चयनित अश्वगंधा को किसानों के लिए लाभकारी बताया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि अश्वगंधा की खेती से किसानों को अतिरिक्त आमदनी हो सकती है और यह पारंपरिक खेती का एक बेहतर विकल्प बन सकता है। किसान सम्मान समारोह में उपस्थित किसानों ने इस पहल का स्वागत किया और औषधीय पौधों की खेती को अपनाने की इच्छा जताई। कार्यक्रम में कृषि विभाग, आयुष विभाग के अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और लाभों की जानकारी भी दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल बाजार में जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त के हस्तांतरण कार्यक्रम के उपलक्ष्य में कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल बाजार में सोमवार को जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुधाकर पंवार सहित जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख डॉ. व्ही.के. वर्मा द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में बिहार के भागलपुर में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त का हस्तांतरण लाभार्थी कृषकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से किया गया। बैतूल जिले के 2 लाख 56 हजार 410 हितग्राहियों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 51 करोड़ 28 लाख 20 हजार की राशि अंतरित की गई। कार्यक्रम के पूर्वाह्न सत्र में केन्द्र के वैज्ञानिकों

द्वारा कृषकों से कृषि संबंधित वर्तमान समस्याओं के परिपेक्ष्य में तकनीकी परिचर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान केन्द्र द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिसका अवलोकन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर राजीव नन्दन श्रीवास्तव, उपसंचालक कृषि डॉ. आनंद बड़ोनिया, उपसंचालक उद्यानिकी आर.के. कोरी, वैज्ञानिक आरडी बारपेटे, डॉ. संजीव वर्मा, डॉ. मेघा दुबे, डॉ. संजय जैन, डॉ. एम.पी. इंगले, श्री नेपाल बारस्कर, सौरभ मकवाना, श्रीमती रेखा तिवारी सहित 237 कृषक, 118 महिला कृषक एवं 412 प्रतिभागी उपस्थित थे।

बैतूल जिले को इंडस्ट्रियल एरिया में शामिल ना करना दुर्भाग्यपूर्ण : सुखदेव पांसे

बैतूल। जिले में भाजपा सांसद व केंद्रीय मंत्री के साथ ही भाजपा के पांच विधायक भी हैं, उसके बावजूद भी बैतूल जिले को इंडस्ट्रियल एरिया में शामिल ना करना यह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उक्त वक्तव्य प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मध्यप्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम में बैतूल जिले का नाम नदारत हैं। एमपीआईडीसी मैप

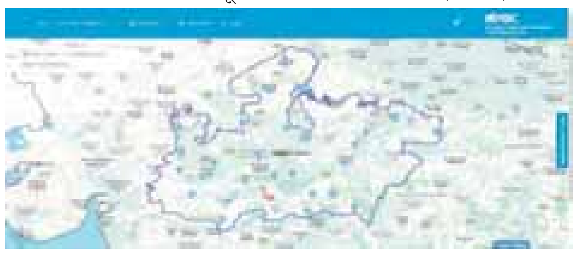

में सर्च करने पर इसकी जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं, जो भी इनवेस्टर एमपीआईडीसी मैप पर सर्च करेगा और बैतूल जिले का नाम ही नहीं होगा, तो स्वाभाविक है कि यहां इन्वेस्ट कौन करेगा। उद्योग के मामले में वैसे भी हमारा जिला बहुत पिछड़ा हुआ है। कांग्रेस सरकार के समय में बड़े उद्योग वेस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड पाथाखेडा, म.प्र. विद्युत मंडल का पावर हाउस सारणी एवं औद्योगिक क्षेत्र कोसमी बैतूल इत्यादि जैसे औद्योगिक क्षेत्र एवं सरकारी उद्योग विकसित किए गए थे और लोगों को रोजगार भी मिला था, लेकिन आज की स्थिति पहले से खराब है, यहां की जनता रोजगार के लिए अन्य राज्यों में जा रहे हैं। जिससे जिले की जनसंख्या भी निरंतर कम होती जा रही है। छोटे व्यापारी का व्यापार भी ठप्प होते जा रहा है। पिछले 21 वर्षों से राज्य में भाजपा की सत्ता हैं और केंद्र में 12 वर्षों से भाजपा का राज है। बैतूल जिले की जनता भोली भाली हैं। भाजपा के नेताओं द्वारा झूठे प्रलोभन देकर जीत तो हासिल कर लेते हैं, लेकिन जब इनके हक की बात आती हैं तो ये असल मुद्दों पर अपनी बात नहीं रखते। देश के प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री बड़ी-बड़ी बाते तो करते है पर धरातल पर कुछ नजर नहीं आता। श्री पांसे ने कहां कि आखिर ये कैसा दुर्व्यवहार, यह कैसा सौतेलापन, जिले की जनता के साथ किया जा रहा हैं।

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध की कार्यवाही

बैतूल। सारणी एवं चौकी पाथाखेडा पुलिस के विशेष टीम ने अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की है। इस अभियान के तहत पुलिस द्वारा 1.952 किलो ग्राम डोडा जप्त किया गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि गुणवन्त बाबा मंदिर मेन रोड सारणी तरफ से एक व्यक्ति जिसका नाम अजय बरई पिता विमल बरई उम्र 40 साल निवासी चोपना द्वारा एक थैली में डोडा लेकर पैदल आ रहा हैं। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए टीम ने घेराबंदी कर उक्त व्यक्ति को पकडा। आरोपी के पास से एक थैली में लगभग 2 किलो ग्राम डोडा मिला, जिसे पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जब्त कर लिया। आरोपी अजय बरई के विरुद्ध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

ठेकेदार की लापरवाही से गर्मी में पानी को तरस रहे ग्रामीण

चिखलार में नल जल योजना फेल, बेखबर प्रशासन, अधूरी पड़ी नल जल योजना

बैतूल। जिले की ग्राम पंचायत कोठिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम चिखलार के ग्रामीण इन दिनों भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं। 2023 में नल जल योजना के तहत गांव में पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही के चलते इसे चालू ही नहीं किया गया। बोरवेल में मोटर तक नहीं डाली गई, जिससे ग्रामीणों को पानी की एक बूंद भी नसीब नहीं हो रही है। गर्मी बढ़ते ही समस्या और गंभीर हो गई है, लेकिन प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा।

गांव के निवासी गब्बू धुर्वे, शुभम आहके, देव सिंग आहके ने बताया ग्रामीण पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। कई बार शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। गर्मी के इस मौसम में जब पानी की जरूरत सबसे ज्यादा होती है, तब गांव के लोग बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। नल जल योजना के संचालन में भारी लापरवाही

सामने आई है। जिन अधिकारियों पर इस योजना की निगरानी की जिम्मेदारी थी, उन्होंने कभी मौके पर जाकर काम की प्रगति नहीं देखी। न ही पाइपलाइन की गुणवत्ता की जांच की और न ही यह सुनिश्चित किया कि बोरवेल में मोटर डाली गई है या नहीं। इस लापरवाही का खामियाजा अब ग्रामीण भुगत रहे हैं।

हर साल आता है बजट, लेकिन समस्या जस की तस- हर साल पेयजल योजनाओं के लिए लाखों रुपये का बजट पास होता है, लेकिन धरातल पर इसका सही उपयोग नहीं हो पाता। चिखलार के लोगों को उम्मीद थी कि नल जल योजना से उनकी पानी की समस्या दूर होगी, लेकिन अब यह योजना कागजों तक ही सीमित नजर आ रही है।ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर कब उन्हें इस समस्या से राहत मिलेगी? कब प्रशासन ठेकेदार पर कार्रवाई करेगा और कब नल जल योजना को शुरू किया जाएगा? सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की बात तो करती है, लेकिन चिखलार के हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द अधूरी योजना को पूरा किया जाए, ताकि उनकी प्यास बुझ सके।

मप्र विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन का सम्मेलन 28 को

बैतूल। मप्र विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन बैतूल का स्नेह सम्मेलन तथा प्रांतीय अधिवेशन 28 फरवरी शुक्रवार को तरंग वाटिका लिंक रोड में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रा. अध्यक्ष म.प्र.वि.म. पेंशनर एसो. जबलपुर सुरेश जायसवाल करेगे, वहीं मुख्य अतिथि के रूप में हेमंत खंडेलवाल विधायक बैतूल, डॉ. योगेश पंडाग्रे विधायक आमला एवं विशेष आमंत्रित अतिथि व्ही. के. कैथवार (मुख्य अभियंता) (उत्पादन) मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड सारणी, अनूप सक्सेना (महाप्रबंधक) म.प्र.म.क्षे.वि.वि.कं.लि. बैतूल (म.प्र.), एल. पी. अग्रवाल, प्रांतीय महासचिव म.प्र.वि.मं. पेंशनर्स एसोसिएशन जबलपुर, आरसी सोमानी अध्यक्ष, विद्युत मण्डल पेंशनर्स एसोसिएशन इन्दौर, रामचरण साहू, अध्यक्ष प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मप्र शाखा बैतूल मौजूद रहेगे। संगठन के पदाधिकारियों ने समस्त संगठन सदस्यों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर 3 मार्च को

भौरा। लायंस क्लब भौरा द्वारा आगामी 3 मार्च सोमवार एक दिवसीय नेत्र जांच एवं मधुमेह जांच शिविर का आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नेत्र सेवा सदन चिकित्सालय के सहयोग से सुबह 10 बजे से 1 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। क्लब के सचिव लायन प्रेम उदयपुरे ने बताया कि क्लब के अध्यक्ष लायन राजेंद्र साहू एवं सभी सदस्यों के सहयोग से आयोजित किए जा रहे। इस नेत्र जांच शिविर में नेत्र सेवा सदन के डॉक्टर भौरा आकर नेत्र रोगियों की जांच कर आवश्यक दवा देंगे। साथ ही मोतियाबिंद के मरीजों का चयन कर उन्हे बैरागढ ले जाकर उनका निःशुल्क आँख का ऑपरेशन किया जावेगा। मरीजों के आने जाने के लिए बस की व्यवस्था भी की गई है। क्लब के कोषाध्यक्ष दीनदयाल पाटनकर ने नगर सहित अन्य ग्रामो के लोगो से आग्रह किया कि इस जाँच शिविर में अपना आधार कार्ड की फोटो कॉपी अपने मोबाइल नंबर के साथ लेकर आवे। जांच शिविर में नेत्र जांच, मधुमेह एवं ब्लड ग्रुप की जांच निशुल्क की जाएगी।

5वीं-8वीं की परीक्षा शुरू, आज 12वीं का पेपर

बैतूल। बोर्ड पैटर्न पर आधारित कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षा सोमवार से प्रारंभ हो गई। है। पहला प्रश्न पत्र प्रथम हिन्दी और प्रथम अंग्रेजी का हुआ। 5वीं और 8वीं की परीक्षा के लिए जिले भर में 270 केन्द्र बनाए गए। प्रश्नपत्र दोपहर 2 बजे से 4.30 बजे तक संपन्न हुआ। परीक्षा इस बार बोर्ड पैटर्न के आधार पर ही आयोजित हो रही है। परीक्षा में नकलचियों पर नजर रखने के लिए उडनदस्ते गठित किए है। उडनदस्तों द्वारा परीक्षा समय में अलग-अलग केंद्रों का निरीक्षण किया गया। आज मंगलवार से बोर्ड परीक्षा भी प्रारंभ हो रही है। कक्षा 12वीं का पहला प्रश्नपत्र हिन्दी का संपन्न होगा। परीक्षा के लिए 126 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। कक्षा 12वीं में नियमित विद्यार्थियों की संख्या 13 हजार 697 और स्वाध्यायी विद्यार्थी की संख्या 1675 है। इस तरह से 12वीं में 15 हजार 372 विद्यार्थी सम्मिलित होगे। परीक्षा सुबह 9 बजे से 12 बजे तक आयोजित होंगे। परीक्षार्थियों को आधा घंटे पहले ही परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचना होगा। परीक्षा के लिए उड़नदस्तों का गठन किया है। ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर तथा जिला स्तर पर उड़नदस्ते गठित किए गए है। इन उड़नदस्तों द्वारा परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया जाएगा। उड़नदस्तों द्वारा नकलचियों पर पैनी नजर रखी जाएगी।

गुम मोबाइल की तलाश कर मोबाईल धारक को सौंपा

बैतूल। पुलिस द्वारा गुम/चोरी हुए मोबाइलों की बरामदगी के लिए त्वरित कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में भारत सरकार द्वारा संचालित सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से पुलिस थाना गंज द्वारा एक गुम मोबाइल की सफलतापूर्वक बरामदगी कर उसे मोबाइल धारक को सौंपा गया। आवेदक गोविंद टिकमें निवासी बोडी ने 15 फरवरी को थाना गंज में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका वीवो कंपनी का मोबाइल, जिसकी अनुमानित कीमत 35,000 रुपये है, गुम हो गया है। शिकायत के आधार पर थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमरे के निर्देशन में प्रधान आरक्षक हीतूलाल धुर्वे एवं आरक्षक मनोज कोलारे द्वारा सीईआईआर पोर्टल की सहायता से गुम हुए मोबाइल की तलाश की गई। त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरूप मोबाइल का लोकेशन ट्रेस कर उसे बरामद कर लिया गया। थाना गंज पुलिस ने गुमशुदा मोबाइल को उसके वास्तविक मालिक गोविंद टिकमें को विधिवत सुपुर्द कर दिया। मोबाइल प्राप्त करने के पश्चात आवेदक ने पुलिस विभाग की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना में शामिल हितग्राहियों का ईकेवायसी 28 फरवरी तक

बैतूल। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत पात्र परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित कर वास्तविक हितग्राहियों को ही निःशुल्क खाद्यान्न वितरण करने और दोहरे/अपात्र/साईलेन्ट हितग्राहियों को पोर्टल से हटाने के लिये ईकेवायसी किया जाना आवश्यक है। उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली द्वारा याचिका क्रमांक एमए नं 94/2022 इन एसएमडब्ल्यू (सी) नं 6/2020 में पारित आदेशानुसार समस्त हितग्राहियों के ईकेवायसी करने की अनिवार्यता 28 फरवरी तक निर्धारित की गई है। शेष पात्र हितग्राहियों के निर्धारित समय सीमा में ईकेवायसी करने की कार्यवाही अभियान चलाकर करने के निर्देश सभी कलेक्टर को दिये गये हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत सम्मिलित समस्त पात्र हितग्राहियों के डाटाबेस में आधार नंबर की प्रविष्टि की जा चुकी है। उचित मूल्य दुकानों पर लगाई गई पीओएस मशीन से पात्र हितग्राहियों के निःशुल्क ईकेवायसी करने की सुविधा उपलब्ध है। उचित मूल्य दुकान के विक्रेता द्वारा पात्र हितग्राही के ईकेवायसी उचित मूल्य दुकान स्तर पर किए जा रहे हैं। पात्र हितग्राही के डाटाबेस में त्रुटिपूर्ण आधार नंबर/अन्य व्यक्ति का आधार नंबर दर्ज होने पर सही व्यक्ति का आधार नंबर दर्ज करने की सुविधा पीओएस मशीन में उपलब्ध है। साथ ही त्रुटिपूर्ण आधार नंबर के स्थान पर सही आधार नंबर दर्ज करने की सुविधा एक समय के लिए दी गई है।विशेष अभियान में उचित मूल्य दुकान के विक्रेता को हितग्राही के घर जाकर भी ईकेवायसी कराने के निर्देश दिये गये हैं।

निजी अस्पतालों के संचालन की व्यवस्था का सीएमएचओ ने किया निरीक्षण

बैतूल। स्वास्थ्य आयुक्त के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रविकांत उइके ने 22 एवं 23 फरवरी को निजी अस्पतालों के संचालन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ.उइके ने राठी अस्पताल एवं नोबेल अस्पताल बैतूल में अन्य व्यवस्थाओं सहित बिस्तरों की संख्या का अवलोकन किया।

भोपाल से प्रयागराज जा रही बस हादसे का शिकार

महिला श्रद्धालु के शरीर में घुसा लोहा, मौत

भोपाल। महोबा के करबई में भोपाल से महाकुंभ जा रही बस में पिकअप ने टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई। कबरई में खड़ी बस में एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बस में सवार भोपाल की 57 वर्षीय श्रद्धालु प्रभाबाई की मौत हो गई। राजधानी की एक ट्रेवल्स की प्राइवेट बस भोपाल से श्रद्धालुओं को लेकर प्रयागराज महाकुंभ जा रही थी। कबरई में सड़क किनारे खड़ी बस में पिकअप वाहन (पी-94 एटी 2321) ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में लगा लोहे का एंगल प्रभाबाई के शरीर में घुस गया। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही कबरई पुलिस मौके पर पहुंची। घायल महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किया शव का पंचनामा।

मृतक प्रभाबाई भोपाल की सुभाष कॉलोनी की रहने वाली थीं। वह अपने मोहल्ले के लोगों के साथ महाकुंभ स्नान के लिए जा रही थीं। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्ट्म के लिए भेज दिया है। पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश कर रही है।

जबलपुर में महिला ने पति से 38 लाख ठगे

सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने बॉयफ्रेंड के साथ रची साजिश, सोना गायब किया

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में एक महिला ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर ससुराल वालों को लाखों रुपए का चूना लगा दिया। इतना ही नहीं नकली सोना घर पर रखकर असली सोने के जेवरात गायब कर दिए। मामले का खुलासा होने के बाद पीड़ित ने मदन महल थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने महिला और उसके बॉयफ्रेंड के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पूजा दुबे, आरोपी

आकाश नेमा, बॉयफ्रेंड

20 फरवरी को हुई एफआईआर के बाद से ही लगातार पुलिस दोनों को तलाश कर रही थी। इस दौरान पता चला कि महिला का बॉयफ्रेंड नरसिंहपुर में छिपकर बैठा है। उसे पकड़ने पुलिस मौके पर पहुंची तो उसने अपने आपको बीमार बताया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है।

इधर, महिला की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। महिला ने अपनी नौकरी के लिए पति पर दबाव बनाकर 38 लाख रुपए बॉयफ्रेंड के खाते में ट्रांसफर भी करवाए हैं। यही नहीं घर में रखे 20 तोला से अधिक सोने के जेवरात को भी गायब कर दिए।

4 साल पहले हुआ था विवाह

सिवनी जिले के धूमा में रहने वाले रूद्र प्रताप मिश्रा राजस्व निरीक्षक के पद पर थे। 2021 में उनके इकलौते बेटे आदित्य मिश्रा का विवाह नरसिंहपुर निवासी पूजा दुबे से हुआ था। शादी के कुछ माह तक सबकुछ ठीक था। इस बीच पूजा के बॉयफ्रेंड आकाश नेमा का आना-जाना शुरू हो गया। पूजा उसे अपना मुंहबोला भाई बताती थी।

पूजा ने पति और ससुर पर दबाव बनाया कि आकाश की अधिकारियों से अच्छी पहचान है। वह उसकी शिक्षा विभाग में नौकरी लगवा देगा। इतना ही नहीं पति आदित्य की भी पटवारी में नौकरी लगवाने की बात की। इसके लिए ससुर रूद्र प्रताप ने जब पैसे देने से मना किया तो पूजा ने पति आदित्य को मना लिया।

आदित्य ने इसके बाद पिता को बिना बताए 17 अगस्त 2022 से लेकर 7 जुलाई 2024 तक आकाश नेमा के खाते में 38 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। इस बीच आकाश का आदित्य के घर पर लगातार आना-जाना बना रहा। आकाश ने आदित्य को कुछ फोटोग्राफ दिखाते हुए बताया कि इन सभी की शासकीय विभाग में उसने नौकरी लगवाई है। आदित्य ने बताया कि वह जब भी घर आता तो कहता कि बस कुछ दिन और फिर दोनों की नौकरी लगने वाली है। इस पूरे मामले से मेरे पिता अनजान थे।

रुपए वापस मांगे तो धमकाने लगे

कुछ दिन बाद जब रूद्र प्रताप को जानकारी लगी कि उनके बेटे आदित्य ने पत्नी पूजा के कहने पर आकाश को 38 लाख रुपए दे दिए तो उन्होंने दोनों से पैसे मांगे। जिसके बाद आकाश और पूजा ने पिता-पुत्र को धमकी देना शुरू कर दिया।

चलती ट्रेन से अलग हुआ इंजन, दो हिस्सों में बंटी

रतलाम में यात्री घबराकर ट्रेन से नीचे उतरे; रेलवे ने दिए जांच के आदेश

रतलाम (नप्र)। रतलाम में चलती ट्रेन से इंजन अलग होकर आगे निकल गया। वह दो हिस्सों में बंट गई। अचानक ट्रेन रुकने से यात्री घबरा गए और नीचे उतरकर पटरियों और प्लेटफॉर्म पर खड़े हो गए। रतलाम रेल मंडल के डीआरएम अश्वनी कुमार ने जांच के आदेश दिए है। घटना रतलाम मंडल के बड़ायला चौरासी स्टेशन पर सोमवार

सुबह 10.30 बजे की है। रतलाम-चित्तौडगढ़ डेमू ट्रेन रतलाम से 10 बजे रवाना हुई थी। 11 बजे जावरा पहुंचने का समय था। बड़ायला चौरासी स्टेशन पर कपलिंग टूटने से ये हादसा हो गया।

डेमू ट्रेन का इंजन था खराब, एक इंजन जोड़ा था- स्थानीय लोगों ने बताया कि डेमू ट्रेन का इंजन खराब होने के कारण एक अतिरिक्त इंजन जोड़कर ट्रेन को चलाया जा रहा था। ट्रेन के दो हिस्सों में बंटने की सूचना रेलवे कंट्रोल रूम को दी। इसके बाद स्टेशन मास्टर योगेश यादव समेत अन्य स्थानीय रेल अमला मौके पर पहुंचा।

जावरा से बुलवाया गया दूसरा इंजन- ट्रेन से अलग हुए इंजन को पहले रेलवे ट्रैक से हटाकर स्टेशन के अन्य ट्रैक पर खड़ा किया। इसके बाद जावरा से आए इंजन से ट्रेन को करीब 11:50 बजे रवाना किया।

सबसे सस्ती बिजली बनाने में मध्यप्रदेश ने बनाया रिकॉर्ड : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री जीआईएस में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन में हुए शामिल

- मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में तेज गति से हो रहे हैं कार्य
- भारतीय रेल के साथ हुआ पीपीए अनुबंध संपादित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में गत वर्षों में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेज गति से वृद्धि हुई है। अब यह हमारी कुल ऊर्जा उत्पादन का 15 प्रतिशत हो गई है। साथ ही मध्यप्रदेश ने सबसे सस्ती बिजली बनाने का रिकॉर्ड भी बनाया है। प्रदेश के नीमच जिले में स्थापित सोलर परियोजना में 02 रुपए 14 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली उत्पादन किया जा रहा है और यह सस्ती बिजली हमारी सरकार भारतीय रेलवे को बेच रही है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा पर आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया के सामने हर क्षेत्र में सीना तान के खड़ा है। आज जहां विश्व में उथल-पुथल मची हुई है, बहुत से देश आपस में बात भी नहीं करते। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी का सभी से निरंतर संवाद है और वे भारत की प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। सोमवार को भोपाल में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट आयोजित की गई है, जिसमें दुनिया भर से मध्यप्रदेश में निवेश प्रस्ताव आ रहे है। देश-विदेश के निवेशकों ने मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर भरोसा जताया है। हमारे लिए छोटा से छोटा निवेश भी बहुत बड़ा है और हर निवेशक महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति सूर्य पर केन्द्रित है। सूर्य देव की हम पूजा करते हैं और वह हमें ऊर्जा प्रदान करते हैं। सूर्य के सारथी अश्विन है। वैसे ही हमारे मार्गदर्शक केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव हैं। मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के साथ ही तेज गति से रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा विशेष रूप से सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहा है। रीवा में 750 मेगावाट क्षमता का अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क स्थापित किया गया है। इसी प्रकार नीमच में 500 मेगावाट का सोलर पॉवर प्लांट और भारत का सबसे बड़ा पम्पड हाइड्रो पॉवर स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाया गया है। यह सबसे सस्ती बिजली का उत्पादन कर रहा है। ओंकारेश्वर में भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किया गया है। नर्मदापुरम जिले के मुहासा बाबई में भारत का पहला पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जोन बनाया गया है। पहले इसके क्षेत्र को बढ़ाकर 884 एकड़ किया गया था, अब इसमें 1000 एकड़ क्षेत्र और बढ़ाया जा रहा है। मध्यप्रदेश भारत के 500 गीगावॉट के नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में निवेश का अच्छा माहौल बना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2030 तक भारतीय रेल ऊर्जा के क्षेत्र में नेट जीरो हो जाएगी, अर्थात् शत-प्रतिशत बिजली पर चलेगी। अभी 97त्न रेलवे लाइन का इलेक्ट्रिफिकेशन कर लिया गया है। आज मध्यप्रदेश के साथ 170 मेगावाट का पावर परचेज एग्रीमेंट किया गया है, जो अपने आप में अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश जितनी भी अतिरिक्त बिजली उत्पादित करेगा हम खरीदेंगे। श्री वैष्णव ने कहा कि मध्य प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का ऐतिहासिक कार्य चल रहा है। इस क्षेत्र में 01 लाख 4 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2014 के बाद 2456 किलोमीटर का रेलवे नेटवर्क तैयार किया गया है।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। आज हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री स्वयं ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निरंतर प्रदेश में निवेश बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। चरैवेति, चरैवेति के आदर्श वाक्य को लेकर वे निरंतर इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में 10 वर्ष पहले मात्र 500 मेगावाट नवकरणीय ऊर्जा उत्पादित होती थी जो अब 7000 मेगावाट हो गई है। प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि मध्यप्रदेश में भरपूर जल, जमीन, वायु और सूर्य का प्रकाश है, वे यहां इन्वेस्ट करें।

शिखर सम्मेलन में सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन के श्री आर.पी. गुप्ता, साउथ एशिया रीजनल डायरेक्टर श्री इमाद फारुकी, अवाडा ग्रुप के श्री विनीत मित्तल, एलएलपी समूह के श्री सुनील जैन, उद्योगपति श्री पराग शर्मा, श्री पिनाकी भट्टाचार्य, श्री पवन अग्रवाल, श्री नवीन खंडेलवाल, श्री राजीव जैन, श्री जिग्नेश मेहता, श्री गुरदीप सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अपर प्रमुख सचिव एमएसएमई श्री मनु श्रीवास्तव ने शिखर सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की और स्वागत भाषण दिया। एमडी श्री अमनवीर सिंह बैंस ने आभार व्यक्त किया।

पीपीए अनुबंध हुआ संपादित, निवेशकों ने किये निवेश अनुबंध- मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में शिखर सम्मेलन में दो पावर परचेज एग्रीमेंट अनुबंध पहला भारतीय रेल, नीमच सोलर प्रोजेक्ट, रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड और वारी के बीच तथा दूसरा एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, वारी और रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड के बीच संपादित हुए। इसके साथ ही नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विभिन्न निवेशकों के साथ निवेश अनुबंध भी सम्पादित हुए।

सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो-2025

वस्त्र और परिधान निर्माण का प्रमुख केंद्र बन रहा है मध्यप्रदेश

भोपाल (नप्र)। सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो में विशेष आकर्षण के अन्तर्गत भोपाल ओडीओपी उत्पाद जैसे जरी जरदोजी, ब्लॉक प्रिंट, बाग प्रिंट साड़ियों और सूट की प्रदर्शनी ,महेश्वरी और चंदेरी साड़ियों की प्रदर्शनी, मृगनयनी के स्टॉल, जिनमें गोंड पेंटिंग और बाग प्रिंट दृश्यों के साथ घरेलू सजावट का प्रदर्शन किया गया। एक्सपो में मध्य भारत खादी संघ और राष्ट्रीय फैशन डिजाइन संस्थान, उमंग श्रीधर डिजाइन, प्रतिभा,राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान,वर्धमान कंपनी के स्टॉल्स लगाए गए।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025, में सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो-2025, प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश को वस्त्र और परिधान निर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। यह आयोजन राज्य की फाइबर उत्पादन, वस्त्र निर्माण और फैशन नवाचार में ताकत को उजागर करता है, साथ ही निवेश के अवसरों को भी बढ़ावा देता है।

मध्यप्रदेश में वस्त्र और फैशन उद्योग का महत्व- मध्यप्रदेश वस्त्रों की समृद्ध विरासत रखता है, जहाँ कपास, रेशम और सिंथेटिक फाइबर उत्पादन राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आधुनिक वस्त्र पार्कों और निर्माण केंद्रों के आगमन के साथ, उद्योग ने महत्वपूर्ण विकास देखा है। यह प्रदर्शनी वैश्विक वस्त्र और फैशन बाजार में राज्य की स्थिति को और मजबूत करने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य कार्यरत हैं।

5एफ-विजन का सशक्तिकरण- यह प्रदर्शनी 5एफ विजन पर आधारित है, जो वस्त्र और परिधान क्षेत्र के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण है।

फार्म: कपास और रेशम किसानों जैसे कच्चे माल उत्पादकों को मजबूत आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए जोड़ना।

फाइबर: फाइबर निर्माण और प्रसंस्करण इकाइयों का प्रदर्शन करना, जो उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

फैक्ट्री: मध्यप्रदेश के वस्त्र निर्माण और औद्योगिक उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को उजागर करना।

फैशन: परिधान डिजाइन, ब्रांडिंग और वस्त्र उद्योग के रचनात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना।

फॉरेन: अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और निर्यात अवसरों को बढ़ावा देना।

बी-2-बी सहयोग और उद्योग में भागीदारी- प्रदर्शनी में प्रमुख वस्त्र निर्माता, परिधान ब्रांड और अंतर्राष्ट्रीय निवेशक शामिल हुए, जिससे बी-2-बी नेटवर्किंग और रणनीतिक साझेदारी के लिए एक अनूठा अवसर मिला। व्यवसायों को नवीन फैशन की ओर वैश्विक बदलाव के अनुरूप सहयोग तलाशने का मौका मिला।

सेंट्रल इंडिया फैब्रिक एंड फैशन एक्सपो-2025 भारतीय वस्त्र उद्योग में एक ऐतिहासिक अवसर है, जो वस्त्र उत्पादन में मध्यप्रदेश की भूमिका को मजबूत करती है। उद्योग के निवेशकों और हितधारकों को एक साथ लाकर, यह प्रदर्शनी राज्य में एक गतिशील और समृद्ध वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र का मार्ग प्रशस्त करेगी।

नपाध्यक्ष राठौर ने किया काहिरी डेम और भगवानपुरा जलाशय का निरीक्षण

पानी चोरी करने वालों पर की जाएगी एफआईआर दर्ज

सीहोर (नप्र)। शहर के पेयजल के लिए सुरक्षित प्रमुख जल स्त्रोत काहिरी बंधान पहुंच कर नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने जल प्रदाय व्यवस्था का निरीक्षण किया।

पेयजल स्त्रोतों से आरक्षित पानी लगातार चोरी हो रहा है। नदी, नालों और डैमों में बड़ी-बड़ी पानी की मोटर डाल कर पानी की चोरी की जा रही है। यदि इसी रफ्तार से पानी चोरी होती रही तो आने वाले दिनों में शहर के लिए आरक्षित पानी भी खत्म हो जाएगा। भीषण गर्मी के दौर में जलसंकट गहराने के हालात बन सकते हैं। इन शिकायतों को लेकर नपा सीएमओ भूपेन्द्र दीक्षित ने आरक्षित जलाशयों से पानी का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने के साथ-साथ जलाशयों के निरीक्षण से नावों से कर्मचारियों को तैनात कर निरीक्षण करने के निर्देश दिए है। पूर्व में भी कार्रवाई कर पाइप जब्त कर नगरपालिका की सुपुर्दगी में दिए थे।

बीते साल जिले में सामान्य से कम वर्षा रही, आगामी गर्मियों में जल संकट की स्थिति न बने इसलिए पानी सहेजना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी हो जाती है, लेकिन बीते कुछ महिनों से जल स्त्रोतों में से बड़ी मात्रा में पानी चोरी हो रहा है और इस ओर किसी का ध्यान ही नहीं। ऐसे में प्रशासन की अनदेखी कहीं गर्मियों में सीहोर शहर में जल संकट खडा न कर दे।

सीहोर नगर में जमोनिया तालाब द्वारा कई वार्डों में पीने और इस्तेमाल का पानी प्रदाय किया जाता है। जल आपूर्ति के लिए काहिरी और जमोनिया तालाब पर सीहोर नगर निर्भर है और नगरवासियों को सुचारु रूप से पानी मिले इसलिए शहरवासियों के पीने के लिए यह संरक्षित कर दिया है, इसके बाद यह पानी किसानों को नहीं दिया जाता, लेकिन जलाशयों में से कई किसान पानी चोरी किए जा रहे हैं, भगवानपुरा, जमोनिया जलाशयों से अनेक स्थानों से पानी चोरी हो रहा है। जबकि यहीं हाल काहिरी बंधान के भी हैं। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष श्री राठौर ने सीएमओ से चर्चा कर टीम गठित करने की बात कही है। इस मौके पर जलसभापति संतोष शाक्य, सहायक इंजीनियर विजय कोली, मांगीलाल मालवीय और लोकेन्द्र वर्मा आदि पार्षद और नपा का आमला साथ था।

मध्यप्रदेश में निवेश के नए अवसर, विकास की नई राहें : एमडी श्री यादव

मध्यप्रदेश को इंफ्रास्ट्रक्चर हब के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम, प्रमुख सड़क परियोजनाओं पर व्यापक चर्चा

भोपाल (नप्र)। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2025 के पहले दिन 'सड़क अवसंरचना में तेजीः निवेश, नवाचार और संभावनाएं' थीमैटिक सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी, विदेशी निवेश संभावनाओं, सतत एवं स्मार्ट अवसंरचना विकास, बहु-मोडल कनेक्टिविटी और प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना में निवेश के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सत्र में एमपीआरडीसी के प्रबंध निदेशक श्री भरत यादव, सेवानिवृत्त महानिदेशक, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय श्री आई.के. पांडेय, क्षेत्रीय अधिकारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण श्री एस.के. सिंह, मुख्य परिचालन अधिकारी क्यूब हाईवेज डॉ. राजू, प्रबंध निदेशक पाथ इंडिया श्री नितिन अग्रवाल, कार्यकारी उपाध्यक्ष एसबीआई कैप्स श्री मुकुल मोदी सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों, उद्योगपतियों और नीति-निर्माताओं ने भाग लिया। मध्यप्रदेश में सड़क अवसंरचना क्षेत्र में निवेश और विकास की संभावनाओं पर गहन विमर्श हुआ।

सत्र की शुरुआत में एमपीआरडीसी के प्रबंध निदेशक श्री यादव ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया, जिसमें मध्यप्रदेश के सड़क नेटवर्क, निवेश अवसरों और नवाचारों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश तेजी से भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर हब के रूप में उभर रहा है।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश 47 राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ा हुआ है और 3.5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़क नेटवर्क इसे देश के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों से जोड़ता है। इसके अलावा, राज्य में 6 वाणिज्यिक हवाई अड्डे, 26 एयर-प्स और एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा हैं, जो वैश्विक कनेक्टिविटी को और अधिक सशक्त बना रहे हैं। राज्य सरकार बहु-मोडल कनेक्टिविटी को बढ़ावा दे रही है, जिससे औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियां सुगम हो रही हैं।

थीमैटिक सत्र में राज्य में चल रही और आगामी प्रमुख सड़क परियोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इनमें अटल प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेस-वे, नर्मदा प्रगति पथ, मालवा-निमाड़ विकास पथ, बुंदेलखंड विकास पथ और मध्य भारत विकास पथ जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं। इनका उद्देश्य प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देना और निवेशकों के लिए लॉजिस्टिक्स एवं परिवहन सुविधाओं को सुगम बनाना है। सत्र में यह भी बताया गया कि राज्य में 75 हजार करोड़ रूपये की सड़क परियोजनाएँ वर्तमान में निर्माणाधीन हैं, 50 हजार करोड़ रूपये की परियोजनाएँ डीपीआर चरण में हैं और 1.3 लाख करोड़ रूपये की सड़क परियोजनाएँ पाइपलाइन में हैं। इसके अलावा, मध्यप्रदेश सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को सफलतापूर्वक लागू करते हुए अब तक 137 से अधिक सड़क परियोजनाएँ पूरी की हैं। इससे निवेशकों का भरोसा और अधिक बढ़ा है।

प्रदेश सरकार ने निवेशकों को पारदर्शिता, सुरक्षा और लाभदायक अवसरों का आश्वासन दिया है। निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार ई-टेंडरिंग, डिजिटल भुगतान सुविधा, समय से पहले परियोजनाओं को पूरा करने पर बोनस और विभिन्न सरकारी सहयोगी योजनाओं का लाभ दे रही है। मध्यप्रदेश भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते राज्यों में से एक है और इंफ्रास्ट्रक्चर लीडर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने निवेशकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश उनकी विकास यात्रा का एक सशक्त भागीदार बनने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सत्र में एक पैनल चर्चा भी हुई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस चर्चा में श्री आई.के. पांडेय (सेवानिवृत्त महानिदेशक, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय), श्री एस.के. सिंह (क्षेत्रीय अधिकारी, एनएचएआई), डॉ. राजू (मुख्य परिचालन अधिकारी, क्यूब हाईवेज), श्री नितिन अग्रवाल (प्रबंध निदेशक, पाथ इंडिया) और श्री मुकुल मोदी (कार्यकारी उपाध्यक्ष, एसबीआई कैप्स) ने भाग लिया।

इस पैनल चर्चा में सड़क अवसंरचना के तेज़ी से विकास के लिए निवेश के अवसरों, नवीन तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। विशेषज्ञों ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल, टिकाऊ सड़क निर्माण तकनीकों और बुनियादी ढांचे के विकास में वित्तीय संस्थानों की भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

सड़क अवसंरचना में ऐतिहासिक निवेश, एक लाख करोड़ रूपये के एमओयू पर हस्ताक्षर- सत्र से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह की उपस्थिति में राज्य सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के बीच एक लाख करोड़ रूपये के ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

यह समझौता मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के विकास के लिए एक लाख करोड़ रूपये के निवेश को सुनिश्चित करेगा, जिससे लगभग 4010 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजनाओं का निर्माण एवं विकास किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस अवसर पर भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय मंजूरी की प्रक्रिया को त्वरित एवं सुगम बनाने का संकल्प लिया, जिससे निवेशकों को बिना किसी बाधा के अपने प्रोजेक्ट्स को कार्यान्वित करने में सुविधा होगी।

मंदिरम् 44

अनंत वासुदेव मंदिर, ओडिशा

अनंत वासुदेव मंदिर भगवान कृष्ण को समर्पित एक हिंदू मंदिर है, जो भगवान विष्णु के अवतार हैं और ओडिशा के भुवनेश्वर के मुख्य शहर में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण तेरहवीं शताब्दी में हुआ था और इसमें कृष्ण, बलराम और सुभद्रा की पूरी मूर्ति स्थापित है। इस मंदिर का निर्माण 13वीं शताब्दी ईस्वी में राजा भानुदेव के शासनकाल के दौरान अनंगभीम तृतीय की बेटी चंद्रिका देवी द्वारा करवाया गया था। माना जाता है कि मंदिर बनने से बहुत पहले से ही यहाँ भगवान विष्णु की मूर्ति की पूजा की जाती थी। मराठों ने 17वीं शताब्दी में मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था, जब वे कलिंग पर शासन कर रहे थे, जो कि वर्तमान ओडिशा है। मंदिर के गर्भगृह में पाई जाने वाली मूर्तियाँ पूरी हैं, जबकि पुरी के जगन्नाथ मंदिर में पाई जाने वाली मूर्तियाँ पूरी हैं। श्री मूर्तियाँ (मूर्तियाँ) लकड़ी की बजाय काले ग्रेनाइट पत्थर से बनी हैं, जैसा कि पुरी मंदिर में है। ब्रिटिश संग्रहालय में मंदिर की नींव को चिह्नित करने वाला एक स्मारक शिलालेख है।

एमपी में 1.10 लाख करोड़ इन्वेस्ट करेगा अडाणी ग्रुप

5 साल में 1.20 लाख लोगों को जॉब, रिलायंस ग्रुप करेगा 60 हजार करोड़ का निवेश

भोपाल (नप्र)। भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में चल रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश-विदेश के इन्वेस्टर्स जुटे हैं। समिट का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी ने किया। पहले दिन (24 फरवरी) अडाणी ग्रुप ने 1.10 लाख करोड़ रुपए के इन्वेस्टमेंट की बात कही है। इससे 1.20 लाख नई नौकरियों के अवसर बनेंगे। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज बायोफ्यूल में 60 हजार करोड़ का निवेश करेगी। हिंडाल्को ग्रुप सिंगरौली में 15 हजार करोड़ का प्लांट लगाने जा रहा है। अवादा ग्रुप ने 50 हजार करोड़ से 8000 मेगावाट का सोलर विंड पावर और बैटरी प्रोजेक्ट लगाने की इच्छा जताई। वहीं, सागर ग्रुप टेक्सटाइल सेक्टर में ढाई हजार करोड़ का निवेश करेगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमने जो कल्पना की थी, उससे ज्यादा अच्छी प्रतिक्रिया हमें मिल रही है। प्रकृति ने जो मध्य प्रदेश को दिया है ये सही समय है कि हम उसे सबके बीच लेकर जाएं। प्रदेश की बेहतरी के लिए गरीब, किसान, युवा और महिलाओं की बेहतरी के लिए यही रास्ता था कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट हो। अपनी व्यवस्थाओं के बलबूते पर इन अवसरों को भुनाते हुए मध्य प्रदेश को समर्थ बना रहे हैं।

पीएम मोदी को भोपाल विमानतल पर दी भावभीनी विदाई

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय भोपाल यात्रा के बाद सोमवार को 12:15 बजे राजकीय विमानतल भोपाल से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से पटना रवाना हुए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी को भोपाल से खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, सांसद भोपाल श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, विधायक श्री विष्णु खत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भावभीनी विदाई दी। इस दौरान कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस आयुक्त श्री हरिनारायण चारी मिश्रा भी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश कपड़ा उद्योग निवेश का प्रमुख केंद्र : सीआईआई

भोपाल (नप्र)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट - भोपाल में सीआईआई की टेक्सटाइल्स एंड अपैरल की राष्ट्रीय समिति की बैठक में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश को कपड़ा उद्योग के निवेश के लिए एक प्रमुख केंद्र बताया। समिति के अध्यक्ष श्री कुलिन लालभाई ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति, बेहतर लॉजिस्टिक्स और निवेश अनुकूल नीतियों के कारण कपड़ा और परिधान उद्योग के लिए प्रतिस्पर्धात्मक रूप से किफायती राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विशेष प्रयास से कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिल रहा है। श्रम-प्रधान क्षेत्र होने से इसमे बड़े पैमाने पर रोज़गार सृजन होता है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य होगा, जहाँ पीएम मित्र पार्क मूर्त रूप लेगा। राज्य सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव टेक्सटाइल उद्योग की सहायता के लिये संवेदनशील हैं। उन्होंने उद्योगो को बढ़ावा देने के लिये हर स्तर से सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

मध्यप्रदेश में कपड़ा उद्योग के लिए असीम संभावनाएँ- बैठक में उपस्थित औद्योगिक विशेषज्ञों और सीआईआई प्रतिनिधियों ने कहा कि मध्यप्रदेश छोटे और बड़े स्तर के टेक्सटाइल निवेश के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार उद्योगों के विकास के लिए हरसंभव सहयोग देगी। मध्यप्रदेश ने खुद को फार्म-टू-

फाइबर, फाइबर-टू-फैब्रिक, फैब्रिक-टू-फैशन, और फैशन-टू-फॉरेन के विजन को दृष्टिगत रखते हुए कपड़ा उद्योग की पूरी मूल्य श्रृंखला के लिए एक आदर्श स्थान के रूप में स्थापित किया है।

अब टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर बढ़ने का समय- औद्योगिक प्रतिनिधियों ने कहा कि अब टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर बढ़ने का समय है, जहाँ नीतिगत लाभों का अधिकतम उपयोग किया जा सकता है। वैश्विक बाजार में भारत के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, क्योंकि चीन, वियतनाम और बांग्लादेश के बाद अब दुनिया भारत की ओर देख रही है। हमें इस अवसर का शत प्रतिशत लाभ लेना होगा ताकि भारतीय कपड़ा उद्योग ग्लोबल ब्रांड बन सके।

मध्यप्रदेश के विश्व स्तरीय संस्थान उपलब्ध कराते हैं कुशल मानव संसाधन- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) के लेफ्टिनेंट कर्नल आशीष अग्रवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश में विश्व स्तरीय संस्थान हैं जो कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराते हैं। उद्योगों की मांग के अनुसार पाठ्यक्रम में बदलाव किए जा रहे हैं ताकि औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले वर्षों में फैशन उद्योग का ट्रेंड सेटर बनेगा, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

बैठक में पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) और टेक्नोलॉजी मिशन ऑन कॉटन (टीएमसी) फेज-3 के तहत मिलने वाले केंद्रीय प्रोत्साहनों पर भी चर्चा हुई। इससे उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। साथ ही उद्योग को लागत प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकेगा। उद्योग प्रतिनिधियों ने सतत विकास और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने पर बल दिया। बैठक में सीआईआई की टेक्सटाइल्स एंड अपैरल की राष्ट्रीय समिति के सदस्य सहित वस्त्र एवं कपड़ा उद्योग इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुद्रित पुस्तकों की भूमिका बढ़ी, अखबारों और मीडिया का प्रकाशन में योगदान बढ़ा

अखिल भारतीय हिंदी प्रकाशक संघ का 59वें वार्षिक अधिवेशन में भारद्वाज ने कहा

जयपुर। 'इलेक्ट्रॉनिक युग में मुद्रित पुस्तकों की भूमिका और बढ़ गई है। यह बात प्रसिद्ध साहित्यकार नंद भारद्वाज ने कही। वे अखिल भारतीय हिंदी प्रकाशक संघ के 59वें वार्षिक अधिवेशन में 'इलेक्ट्रॉनिक युग में मुद्रित पुस्तकों का भविष्य' विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि मुद्रित पुस्तकों के प्रकाशकों के साथ-साथ समाचार पत्रों और मीडिया आदि का भी प्रकाशन के प्रचार- प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान है।

भारद्वाज और दिल्ली से हिंदी के महत्वपूर्ण कवि राधेश्याम तिवारी को प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रकाशक संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि प्रकाशकों को भारतीय संस्कृति के प्रति भी सजग रहने की

आवश्यकता। इस अवसर पर अनिल कुमार आर्य और देवेंद्र मलिक को उनके विशेष प्रकाशन सेवा के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ सविता पाईवाल, राजेंद्र मोहन शर्मा, प्रमोद गोविल, डॉ सुषमा शर्मा, संगीता गुप्ता, प्रदीप गुप्ता आदि ने भी अपने विचार रखे। अध्यक्षता डॉ.राघव प्रकाश ने की। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एक -दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रकाशकों को पाठकों के मनोदशा का भी ध्यान रखना चाहिए। इस अवसर पर प्रकाशक संघ के महामंत्री सौरव शर्मा ने आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में महामंत्री और कोषाध्यक्ष की ओर से वार्षिक रिपोर्ट अनुमोदना अर्थ प्रस्तुत की गई। साथ ही चुनाव अधिकारी की ओर से चुने गए निर्विरोध रूप से अधिकारियों की घोषणा की गई। इसके अनुसार ओम प्रकाश अग्रवाल (जयपुर) को पुनः अध्यक्ष और सौरव शर्मा को महामंत्री तथा विजय गोयल को कोषाध्यक्ष चुना गया। साथ ही पांच उपाध्यक्षों, एक मंत्री, चार संयुक्त मंत्रियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों का भी चुनाव किया गया।

पीएम की राउंड टेबल चर्चा में होमवर्क कर पहुंचे नेता

ग्लोबल इन्वेस्ट समिट की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में राउंड टेबल चर्चा से पहले पार्टी के सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों ने अच्छा खास होमवर्क भी किया। पदाधिकारियों ने न केवल केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का बारीकी से अध्ययन किया बल्कि अपने सोशल मीडिया अकाउंट में भी एक्टिव रहे। खास बात यह भी रही कि राउंड टेबल की चर्चा बाहर मीडिया में न जाए इसलिए चर्चा से पहले सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों के मोबाइल आदि गैजेट बाहर रखवा लिए गए। प्रधानमंत्री के साथ चर्चा को लेकर नेतागण उत्साहित तो थे लेकिन भय भी था कोई चूक ना हो जाए। हर राउंड टेबल पर एक कुर्सी प्रधानमंत्री के लिए आरक्षित थी। प्रधानमंत्री ने करीब 2 घंटे मिंटो हॉल में राउंड टेबल के नेताओं के साथ चर्चा साझा की और टिप्स दिए। प्रधानमंत्री ने केंद्र और राज्य की योजनाओं से लेकर नेताओं से फीडबैक भी लिया और जनता से सीधे संवाद की बात भी कही। प्रधानमंत्री के साथ पहली बार राउंड टेबल साझा कर रहे हैं एक नेता ने बताया कि शुरुआत में जरूर घबराहट थी लेकिन प्रधानमंत्री ने जिस सौम्यता से अपनी बात रखी, उससे और प्रभावित हुआ।

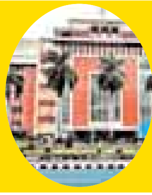

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

दोनों डिप्टी सीएम को मिला महत्व

डॉ. मोहन यादव सरकार में कोई भी राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय कार्यक्रम हो दोनों डिप्टी सीएम को बराबर महत्व मिलता है। ग्लोबल इन्वेस्ट समिट में भी यह देखने को मिला। प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा करना हो या प्रधानमंत्री का स्वागत, सभी जगह प्रोटोकॉल में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा के साथ दोनों डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला को महत्व मिला। मिंटो हॉल में पार्टी पदाधिकारी के साथ में बैठक में मंच पर प्रधानमंत्री के साथ दोनों डिप्टी सीएम मौजूद रहे वहीं इससे पहले मिंटो हॉल आगमन पर प्रधानमंत्री का दोनों डिप्टी सीएम ने स्वागत भी किया। जब पदाधिकारी की बैठक समाप्त हुई तो मिंटो हॉल के गार्डन में प्रधानमंत्री के साथ भोजन टेबल पर दोनों से डिप्टी सीएम मौजूद रहे।

आयोजन से गायब कद्दावर नेता

मध्य प्रदेश में चल रही ग्लोबल इन्वेस्ट समिट 2025 को लेकर कांग्रेस तो सवाल खड़े कर ही रही है वहीं भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेता भी इतने बड़े आयोजन में पार्टी के एक कद्दावर नेता की अनुपस्थिति को लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि राजधानी भोपाल में आयोजित इस समिट में पार्टी का कद्दावर नेता मौजूद नहीं है जबकि मध्य प्रदेश में इन्वेस्टर समिट की शुरुआत का श्रेय इसी नेता को जाता है और वह इतने बड़े आयोजन गायब है जबकि कई केंद्रीय मंत्री इस आयोजन में शामिल हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने उन्हें तीन दिनों के लिए एक राज्य में शासकीय आयोजन के लिए तैनात कर रखा है। इसकी वजह उनकी एक यात्रा का दुखद पहलू है। जिसकी उन्होंने सोशल मीडिया में चर्चा कर अपनी सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया था।

शादी की तैयारियों में व्यस्त हैं मंत्री, कामकाज ठप

आयोजनों के इस दौर में मध्य प्रदेश सरकार के एक कैबिनेट मंत्री भी एक आयोजन की भव्य तैयारी में जुटे हुए हैं। मौका है मंत्री जी के पुत्र के विवाह आयोजन का। मंत्री जी अपने पुत्र की शादी भव्य तरीके से करना चाहते हैं। इसके लिए वह लगातार तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। अगले महीने के पहले सप्ताह में मंत्री जी के बेटे की शादी का भव्य आयोजन होना है। शादी में कई वीआईपी शामिल होंगे। मंत्री का मानना है कि पिछले दिनों भाजपा के दिग्गज नेताओं के बच्चों की शादी जिस भव्यता से हुई वह भी बेटे की शादी में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। यह बात अलग है कि परीक्षाओं के इस वक्त मंत्री जी ने शादी के आयोजन में इतनी व्यस्तता कर ली है कि विभाग के आवश्यक प्रशासनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

खजुराहो नृत्य समारोह

नृत्यों के माध्यम से ईश्वरीय चेतना से जोड़ता है दर्शन : प्रो. मीनाक्षी जोशी

विवेक सावरीकर मृदुल

खजुराहो। खजुराहो नृत्य समारोह की चौथी कड़ी में दिन में दो महत्वपूर्ण आयोजन हुए। पहला था 'कलावार्ता' में विदुषी प्रो मीनाक्षी जोशी का 'नृत्य का दर्शन' विषय पर व्याख्यान और अनौपचारिक संवाद सत्र। इसे सुनने कला रसिक और मर्मज्ञ अच्छी संख्या में हाजिर थे। इसी पंडाल के सामने 'प्रणाम' कला वीथि में भरतनाट्यम नृत्यगुरू पद्मविभूषण सुश्री पद्मा सुब्रहमण्यम को सुनने और उनकी सुदीर्घ कला यात्रा के अनुभवों का पाथेय बटोरने युवा नृत्यांगनाएं भक्तिभाव से नीचे पंक्तिबद्ध बैठी थीं। दोनों का समय एक होने से मन असमंजस में था कि 'हम इधर जाएं या उधर जाएं'। पर वयोवृद्ध पद्माजी के विमान प्रवास की थकावट के चलते कुछ विलंब से पहुंचने की खबर मिली तो राहत की साँस मिली।

प्रो.मीनाक्षी जोशी

नृत्य में दर्शन पर अपनी बात रखते हुए प्रयागराज से पधारी प्रो. मीनाक्षी जोशी ने कहा कि नृत्यों का या सभी प्रदर्शनकारी व ललित कलाओं का दर्शनशास्त्र से गहरा संबंध हैं। कारण जैसे दर्शन का कार्य हमे स्थूल से सूक्ष्म अवस्था को समझाना होता है, वैसे ही सभी कलाओं का उद्देश्य ईश्वरीय चेतना या ब्रम्हांड की चेतना से हमे जोड़ना होता है। प्रो.जोशी ने कहा कि नृत्य में हम दक्षिणावर्त यानी घड़ी की दिशा में घूमते हैं तो हम ऊपर उठना चाहते हैं। जबकि कुआँ हम वामावर्त खोदते हैं क्योंकि हमें नीचे जाना होता है। इसी तरह मंदिर में हम सीधी हाथ की दिशा में प्रदक्षिणा करते हैं। इस तरह घूमने से जो स्पदंन तरंगें उठती हैं, वे ऊर्ध्वगामी होती हैं। इसीलिए हमारी चेतना ऊपर की ओर उठती हैं और हमें ईश्वरीय अनुभूति होती है। डॉ मीनाक्षी जोशी ने बताया कि नृत्य के शुद्ध पक्ष 'नृत्त' में ताल पर पैरों के लयबद्ध थिरकने से उठने वाली तरंगें जब एक खास आवृत्ति में दर्शकों तक पहुंचती हैं तो कला, कलाकार और दर्शकों में एक अनूठा तादात्म्य स्थापित होता है, जो आनंद की सृष्टि करता है। बाद में डॉ. मीनाक्षी जोशी ने मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार जैसे दर्शन के विषयों को लेकर भी दिलचस्प विचार साझा किए। संचालन रंगकर्मी और फिल्म समीक्षक सुदीप सोहनी ने किया।

नर्तन करती मूर्तियों में गति की खोज

पद्मा सुब्रमण्यम

'प्रणाम' वीथि के सुसज्जित सभा मंडप में पद्मविभूषण डॉ पद्मा सुब्रह्मण्यम ने बहुत सहजता से अपनी नृत्य साधना के प्रारंभिक संघर्ष और चुनौतीपूर्ण पड़ावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने चिदंबरम, तंजाऊर और कुंभकोणम के मंदिरों में नर्तन करती स्थिर मूर्तियों का गहन अध्ययन कर स्थापित किया कि ये मुद्राएं (करण) चलायमान नृत्य अवस्थाओं का स्थिर चित्रण (मूर्तिकरण) है। सात्विक तेज और संतोष से भरी पद्माजी ने बताया कि कैसे अपने गुरू डॉ. टी. एन रामचंद्रन की प्रेरणा से उन्होंने चिदंबरम मंदिर के गोपुर (बड़े प्रवेश द्वार) में उत्कीर्णित नृत्यरत प्रतिमाओं की मुद्राओं को भरतनाट्यम में शामिल करना प्रारंभ किया और कैसे अनेक आलोचनाओं का सामना कर अंततः सर्वमान्यता पाई। पद्माजी ने बताया कि कुल 108 करण (नृत्य की मूल इकाइयां) मुद्राओं की डिजाइन तैयार करने के बारह वर्ष बाद जब वे इंडोनेशिया के मध्य जावा में प्रंबनन मंदिर पहुंची तो यह देखकर दंग रह गई कि वहां के गोपुर में लगी पचास से अधिक मूर्तियां मेरे बनाए करण रूपाकारों से हूबहू मिलती थीं। पद्माजी के संक्षिप्त उद्बोधन के बाद डॉ. जयश्री राजगोपालन और सुश्री अनुराधा विक्रांत ने डॉ पद्मा सुब्रह्मण्यम के कला अवदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पद्माजी पर दूरदर्शन द्वारा निर्मित एक विशेष वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया। पूरे संवाद सत्र को भोपाल की सुपरिचित भरतनाट्यम नृत्यगुरू डॉ. मंजुमणि हातवलने ने हिंदी और अंग्रेजी में बहुत कुशलता से संचालित किया।

प्रवत कुमार की ओजस्वी ओडीसी प्रस्तुति

नृत्य समारोह में रविवार की चौथी शाम दो कथक और एक ओडीसी, कुल तीन प्रस्तुतियां हुईं मगर भुवनेश्वर से पधारे प्रवत कुमार स्वाईन और दल की ओडीसी प्रस्तुति सब पर भारी पड़ी। कमाल की ऊर्जा, पूरे मंच का उपयोग, मोहक वेशभूषा और शास्त्रीय पक्ष को नाट्यमय ढंग से पेश करने की खूबी ने इस दल की प्रस्तुतियों को यादगार बना दिया।

शाम की सभा मध्यप्रदेश के उज्जैन से पधारी नृत्यांगना सुश्री पलक पटवर्धन के कथक से हुई। जयपुर घराने से संबद्ध पलक और उनके नर्तन दल ने 'भक्त वत्सलम' की प्रस्तुति दी। पद 'नरतक राधा नंद किशोर' जो राग केदार पर था, में सुंदर लय ताल भरे और शांत रसभाव जगाते इस नृत्य के बाद होली पर आधारित नृत्य संरचना अच्छी रही। सुश्री पलक पटवर्धन ने अपने कथक प्रदर्शन का समापन सूरदासजी लिखित 'आश्रय का पद' से किया। नृत्य के बीच में पं. माधव तिवारी की पढंत, डॉ. विनीता माहुरकर की सितार, ऐश्वर्य आर्य की पखावज और विनायक शर्मा की तबला संगत उत्तम थी। पर अच्छी हारमोनियम संगत दे रहे कुलदीप दुबे का गायन उतना प्रभावी नहीं रहा। लेकिन भुवनेश्वर के प्रवत कुमार स्वाईन और उनके नर्तकों की टीम ने इतने ऊर्जस्वी ढंग से ओडीसी प्रस्तुति दी कि दर्शक बारबार दाद देने के लिए विवश हुए। प्रवत कुमार के नृत्य में शास्त्रोक्त निपुणता के साथ मंच के कुशल नियोजन और प्रकाश संयोजन का भी बड़ा हाथ रहा। कंदरिया महादेव मंदिर के मध्य में मंच के पीछे एक और मंदिर के लिए सीढियां जाती हैं। तो दाहिने और बांयी ओर से प्रवेश और निर्गम नीचे से ऊपर आकर होता है। इस कारण मंच के इस असामान्य फैलाव का प्रयोग अनेक गुणी नर्तकों ने किया है, लेकिन इसका कोरियोग्राफी में सबसे प्रभावी इस्तेमाल करने में प्रवत कुमार सफल हुए। नवरस पर केंद्रित 'रसविचित्र' की उनकी पहली प्रस्तुति रागमालिका और तालमालिका में निबद्ध थी। इसमें भगवान शंकर द्वारा क्रोधावेश में बालक गणेश का सिर काटने और बाद में हाथी का शीश जोड़ देने पौराणिक कथा को पेश किया गया। उन्होंने क्लासिक नाटकों में प्रयुक्त होने वाली रंगपटी का प्रयोग कर प्रस्तुति को काफी नाट्यमय बनाया। षड़रिपू याने काम, क्रोध,लोभ, मद, मोह व मत्सर पर प्रवत कुमार की प्रस्तुति भी सुंदर थी।

अदिति मंगलदास की आकर्षक प्रस्तुति

रविवार शाम की अंतिम पेशकश दिल्ली से आई सुश्री अदिती मंगलदास की थी। पंचतत्व पर केन्द्रित उनकी प्रस्तुति आकर्षक और समकालीन विचार और विषमताओं को बताने वाली थी। 'सावन आयो' पर अदिति के पैरों का काम और लयकारी के साथ अभिनय का संतुलन देखते ही बनता था। अलबत्ता नेपथ्य से उद्घोषकों द्वारा प्रस्तुतियों के तकनीकी विवरण कभी देने, कभी छोड़ देने या गलत उच्चारित करने (षड़रिपू को सदारिपू या रागमालिका को राग मलिका)से रस भंग होता रहा।